निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | शनिवार 25 जून 2022 | पीडीएफ अंक-66 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –41 | सूर्योदय – 5 : 23
न्यूनतम – 27 | सूर्यास्त – 7 : 21

सोना चांदी

सोना – 52415.00 प्रति 10 ग्र | चांदी – 60200.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स – 52727.98 | निफ्टी – 15699.25
रु/यूएस डॉलर – 78.26 | रु/यूरो – 82.43

न्यूज फ्लैश

राज्य सभा के सभापति ने पांच नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को उच्च सदन के पांच नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा के नवनिर्वाचित सदस्य शामिल हैं। सभापति ने राज्यसभा में नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। आन्ध्र प्रदेश

के निरंजन रेड्डी सिरगापुर, रेगा कृष्नैया शामिल हैं। तेलंगाना से दामोदर राव दिवकोंडा और बी पार्थसारथी रेड्डी और ओडिशा निरंजन बिशी ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली। रेगा कृष्नैया दामोदर राव दिवकोंडा और पार्थसारथी रेड्डी ने तेलगू में शपथ ली जबकि निरंजन रेड्डी सिरगापुर ने अंग्रेजी में शपथ ली। निरंजन बिशी ने ओड़िया में शपथ ली। सुभाष चंद्र सिंह के इस्तीफे के कारण रिक्त सीट पर हुए उपचुनाव में वह जीत कर आये हैं। नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के दौरान उपसभापति डॉ हरिवंश, संसदीय कार्य राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन समेत राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सबसे कमजोर तबके के जीवन में बदलाव लाना ही वास्तविक विकास : तोमर

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सबसे कमजोर तबके के जीवन में बदलाव लाना ही वास्तविक विकास कहलाता है। विकास की जब बात हो तो दृष्टि सर्वांगीण होनी चाहिए। तोमर ने शुक्रवार को दिल्ली में सोशियो स्टोरी संस्था की ओर से आयोजित ह्यइंडिया सस्टेनेबिलिटी कॉन्क्लेवह्व को संबोधित करते हुए कहा कि एक लंबे कालखंड के बाद नरेंद्र मोदी के रूप में देश को एक ऐसे प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिला है, जिनमें कुछ कर गुजरने की तमन्ना है, उनमें श्रेष्ठ भारत की

कल्पना है और इसे साकार करने का जज्बा भी है। तोमर ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान इस लिए कृषि क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि हम कृषि क्षेत्र से विमुख होते गए तो पैसा होने पर भी कृषि उत्पाद उपलब्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोगों की आजीविका कृषि पर निर्भर है। देश में 86 फीसदी छोटे किसान हैं, जिनके लिए खेती को लाभप्रद बनाते हुए उन्नत कृषि के रूप में बदलना, वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ाना जरूरी है। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से साढ़े 11 करोड़ किसानों के बैंक खातों में हर साल छह-छह हजार रुपये भेजे जाते हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। अभी तक 02 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा राशि किसानों को दी जा चुकी है। देश में एग्री स्टार्ट अप को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश के किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी बंद

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग शुक्रवार को लगातार चौथे दिन बंद रहा। एजेंसियों ने सड़कों को अवरुद्ध करने वाले बोल्डर हटाकर यातायात बहाल करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी बीच राजमार्ग पर फंसे 1300 वाहनों को निकालने के प्रयास जारी हैं। भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ के कारण 150 फुट लंबे सड़क मार्ग और एक निमार्णाधीन पुल

के बहने के अलावा रामबन और उधमपुर जिलों में 33 स्थानों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने के कारण राजमार्ग अवरुद्ध हो गया था। श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी सड़क मरम्मत और रखरखाव के लिए बंद है। हालांकि वाहनों की आवाजाही के लिए मुगल रोड के माध्यम से जारी है। गुरुवार शाम को राजमार्ग पर चल रहे बहाली के कार्य में बाधा डालने वाले पत्थरों को विस्फोट करने के लिए विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था। एक यातायात अधिकारी ने कहा कि बनिहाल-रामबन-उधमपुर मार्ग में बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है लेकिन उधमपुर जिले में बहाली के प्रयासों में बाधा आ रही है। उपायुक्त, रामबन मुसरत इस्लाम सड़क निकासी अभियान की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने फंसे हुए यात्रियों के रात्रि प्रवास और भोजन की व्यवस्था की है। उन्होंने यात्रियों से राजमार्ग पर अपनी यात्रा शुरू करने से पहले यातायात नियंत्रण कक्ष से संपर्क करने की अपील की।

सुप्रीम कोर्टः यूपी के बाहुबली नेता अतीक अहमद के पुत्र अली अहमद को फिलहाल राहत नहीं

नई दिल्ली। यूपी के बाहुबली नेता अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने रंगदारी वसूलने और धमकी देने के मामले में अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया है। कोर्ट जुलाई के तीसरे हफ्ते में सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अली अहमद ने लॉ का स्टूडेंट होने के बावजूद कानून तोड़ा है। ये मामला अग्रिम जमानत का नहीं है। अली के खिलाफ जीशान नामक व्यक्ति ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया था। पुलिस ने रंगदारी के मामले में नामजद अली अहमद और 7 अन्य साथियों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अली अहमद की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ अली ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जीशान का आरोप है कि अली 31 दिसंबर, 2021 को अपने साथियों के साथ आया और कनपटी पर पिस्टल सटाकर अतीक अहमद से मोबाइल पर बात करने को कहा। जीशान के मना करने पर अतीक ने फोन पर पांच करोड़ की रंगदारी मांगी और एक संपत्ति अपनी पत्नी के नाम करने को कहा। जीशान के मुताबिक अली ने संपत्ति न देने पर जान से मारने की धमकी दी थी।

राजग की राष्ट्रपति प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू ने दाखिल किया नामांकन, मोदी समेत शीर्ष नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली। केंद्र में आरूढ़ सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने संसद भवन परिसर स्थित राज्यसभा महासचिव के कार्यालय में निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी को मुर्मू के नामांकन पत्र सौंपे। मुर्मू के साथ नामांकन दाखिल करने के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और सहयोगी दलों के नेता मौजूद थे। भाजपा नेताओं के अलावा वाईएसआर कांग्रेस के विजयसाई रेड्डी, ओड़िशा की बीजू जनता दल सरकार के दो मंत्री और उसके नेता सस्मित पात्रा, अन्नाद्रमुक नेता ओ पनीरसेल्वम और थम्बी दुरई

तथा जनता दल (यूनाईटेड) के राजीव रंजन सिंह भी मौजूद थे। राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए प्रत्येक सेट में निर्वाचित प्रतिनिधियों के बीच से 50 प्रस्तावक और 50 अनुमोदक होने चाहिए। चुनाव जीतने पर मुर्मू देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति होंगी। आपको बता दें कि द्रौपदी मुर्मू ने 4 सेट में नामांकन दाखिल किया। पहले सेट में प्रधानमंत्री मोदी प्रस्तावक और राजनाथ सिंह अनुमोदक बने। दूसरे सेट में जेपी नड्डा प्रस्तावक हैं और राजग दलों के मुख्यमंत्री अनुमोदक हैं। तीसरे सेट में हिमाचल और हरियाणा के विधायक प्रस्तावक और अनुमोदक हैं। जबकि चौथे सेट में गुजरात के विधायक प्रस्तावक और अनुमोदक हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू जो आदिवासी क्षेत्र से आती हैं मुझे लगता है कि पहली बार इस प्रकार के लोगों का चयन हुआ है। भारत की राजनीति में एक राष्ट्रपति के रूप में ये बहुत बड़ी बात होगी। मुझे लगता है कि सभी लोग मिलकर इनका समर्थन करेंगे। राजग उम्मीदवार को लेकर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सारे भारत के लोग और खासकर आदिवासी, जनजाति समाज के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं की एक आदिवासी, जनजाति महिला को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है। आजादी के लंबे कालखंड के बाद ऐसा अभूतपूर्व फैसला हुआ है। यह ऐतिहासिक निर्णय हुआ है। इसी बीच बिहार की उपमुख्यमंत्री रेणु देवी ने विपक्ष पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष आज घड़ियाली आंसू न बहाए और महिलाओं का सम्मान करे क्योंकि हमारी संस्कृति महिला सम्मान की है। भारतीय संस्कृति से जुड़े लोग उनको मना नहीं करेंगे। विपक्ष से प्रार्थना है कि अपनी नाकामी न दिखाएं और सर्वसम्मति से द्रौपदी मुर्मू जी को चुने।

अमित शाह से मिले धामी, हिमालयी राज्यों के अनुदान को 40 प्रतिशत करने का किया अनुरोध

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्यों के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के सीएसआईएसएसी में अनुमन्य अनुदान को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की ओर से सहायतित एवं सहकारिता के अनुदानित के तहत राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना संचालित की जा रही है। राज्य में सहकारी क्षेत्र में गठित विभिन्न सहकारी संस्थाओं को व्यवसायिक रूप से शुद्ध इकाई बनाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को प्रदेश सरकार ने एक महत्वाकांक्षी योजना प्रस्तुत की है। इसमें संयुक्त सहकारी खेती व अन्य कृषि एवं सहवर्ती व्यवसायों को सामूहिक रूप से उत्पादन वृद्धि और उनका मूल्य संवर्द्धन कराते हुए

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने की व्यवस्था की गई। इसकी सैद्धान्तिक एवं वित्तीय स्वीकृति राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम ने प्रदान की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियां होने के फलस्वरूप सहकारी समितियों को व्यवसायिक इकाई के रूप में स्थापित किया जाना अत्यन्त चुनौतिपूर्ण है। इसके लिए अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री से हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्यों के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम में अनुमन्य अनुदान को 20 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत करने का अनुरोध किया ताकि राज्य की सहकारी संस्थाएं ऋण धनराशि वहन कर सकें।

चीनी नागरिकों को वीजा मामले में कार्ति चिदंबरम की जमानत याचिका पर 12 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने चीनी नागरिकों को वीजा दिलवाने के लिए रिश्वत लेने के मामले में पी चिदंबरम के पुत्र कार्ति चिदंबरम की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी। आज दोनों पक्षों ने सुनवाई टालने का आग्रह किया, जिसके बाद कोर्ट ने 12 जुलाई को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कार्ति चिदंबरम की गिरफ्तारी पर लगी अंतरिम रोक 12 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी। 8 जून को सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से एएसजी एसवी राजू और कार्ति चिदंबरम की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने दलीलें रखी थीं। गौरतलब है कि 3 जून को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कार्ति चिदंबरम की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सीबीआई के मुताबिक 14 मई

को पी चिदंबरम के आवास पर तलाशी के बाद मामला दर्ज किया गया था। कार्ति चिदंबरम पर आरोप है कि वह अवैध रूप से 50 लाख रुपये की रिश्वत प्राप्त करने के बाद 250 चीनी नागरिकों को वीजा की सुविधा प्रदान कर रहे थे। सीबीआई के मुताबिक तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) ने बेल टूल्स लिमिटेड को 50 लाख की राशि का भुगतान किया, जिसने इसे चीनी वीजा के लिए रिश्वत के रूप में एस भास्कर रमन को दिया था।

गुजरात दंगों में मोदी और 63 अन्य लोगों को सुप्रीम कोर्ट से भी क्लीन चिट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी और 63 अन्य लोगों की भूमिका को लेकर एसआईटी की ओर से दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि पुलिस की कमी के बावजूद गुजरात प्रशासन ने दंगों को शांत करने की पूरी कोशिश की। कोर्ट ने कहा कि बिना समय गंवाये केंद्रीय सुरक्षा बलों और सेना को सही वक्त पर बुलाया गया। तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शांति बनाए रखने के लिए जनता से कई बार अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारी संजीव भट्ट, श्रीकुमार और हरेन पांड्या ने निजी स्वार्थों के लिए झूठे आरोप लगाए। इन्होंने दावा किया कि मोदी के साथ बड़े अधिकारियों की मीटिंग में दंगों की साजिश रची गई और वो इस मीटिंग में मौजूद थे लेकिन

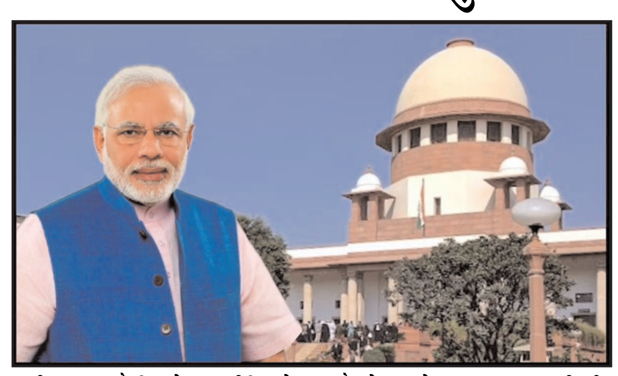

हकीकत यह है कि वो उस मीटिंग में मौजूद ही नहीं थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2006 में जाकिया जाफरी की शिकायत के बाद निहित स्वार्थों के चलते इस मामले को 16 साल तक जिंदा रखा गया। कोर्ट ने कहा कि जो लोग भी कानूनी प्रकिया के गलत इस्तेमाल में शामिल हैं, उनके खिलाफ उचित कार्रवाई होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि ऐसा लगता है कि जाकिया जाफरी किसी और के इशारे पर काम कर रही थीं। उनकी याचिका में कई बातें ऐसी लिखी हैं जो किसी और के हलफनामे दर्ज हैं और वो बातें झूठी पाई गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा है कि एसआईटी ने सभी तथ्यों की ठीक से पड़ताल करके अपनी रिपोर्ट दी है। जांच के दौरान कोई ऐसे सबूत नहीं मिले, जिससे ये संदेह भी होता हो कि राज्य में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा की साजिश उच्च स्तर पर रची गई। कोर्ट ने कहा कि हम एसआईटी की रिपोर्ट को स्वीकार करते हैं। कोर्ट ने 9 दिसंबर, 2021 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तीस्ता सीतलवाड़ पर पिछले बीस वर्षों से गुजरात सरकार को बदनाम करने की साजिश करने का आरोप लगाया था। गुजरात सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि जाकिया जाफरी से हमें सहानुभूति है। उन्होंने अपने पति को खोया है लेकिन उनकी पीड़ा का लाभ उठाने की भी एक सीमा होती है। गवाहों को सिखाया-पढ़ाया गया। एसआईटी ने सीतलवाड़ के खिलाफ साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर निर्दोष लोगों को फंसाने का मुकदमा क्यों नहीं चलाया। मेहता ने कहा था कि 2021 में आरोप लगाकर मामले की दोबारा जांच की मांग की जा रही

● ....शेष भाग पेज 3 पर

ग्रीन हाइड्रोजन में भारत के पास अपार संभावनाएं : डॉ. मनसुख मंडाविया

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने शुक्रवार को कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन के विकास और निर्माण में भारत के पास अपार संभावनाएं है। इस क्षेत्र में नवाचार करने की आवश्यकता है। केवल सरकार के प्रयासों से ही हरित ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकती है। डॉ. मनसुख मंडाविया आईआईटी दिल्ली के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'प्रोसेस इंडस्ट्री में ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया का उत्पादन और उपयोग' विषय पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा मिशन को साकार करने के लिए अगले 25 वर्षों के लिए एक रोडमैप तैयार करना है। ऊर्जा हमारे देश की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है और ग्रीन हाइड्रोजन मिशन इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण को न

केवल हमारे देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए सस्ती और सुलभ बनाने की दिशा में काम करने चाहिए। देश के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण राष्ट्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। हम सौर ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और इसकी लागत कम करने के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं और विश्व गुरु बन सकते हैं। रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत के 75 वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का शुभारंभ किया। मिशन का उद्देश्य सरकार को अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने और भारत को हरित हाइड्रोजन हब बनाने में सहायता करना है। दुनिया हमारी हरित हाइड्रोजन नीति की ओर देख रही है और हम जल्द ही उत्पादन, भारी परिवहन रसद उद्योग और शिपिंग विवरण के साथ दस्तावेज लॉन्च करेंगे। हमारा लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन की 500 गीगावाट उत्पादन लक्ष्य क्षमता हासिल करना है।

दिल्ली सरकार ने 60 खिलाड़ियों को चार करोड़ रुपए दिये

नई दिल्ली। भारत, चीन और अमेरिका से ज्यादा मेडल ला सके, इसके लिए दिल्ली सरकार ने प्रतिभावान खिलाड़ियों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज मिशन एक्सीलेंस स्कीम के तहत 60 खिलाड़ियों को करीब चार करोड़ रुपए का चेक सौंपते हुए कहा कि हमारा सपना है कि जितने मेडल चीन और अमेरिका लेकर आते हैं हमें उससे ज्यादा मेडल लेकर आना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश मे जितने भी खिलाड़ी है, जिन्होंने बिना मदद के मेडल लाए उनके संघर्ष को सलाम करते है। बिना किसी मदद के इतनी विपरित परिस्थितियों वो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम चमका पाए। एक बार जब खिलाड़ी को मेडल मिल जाता है, तो सभी लोग उसके नाम और शोहरत के साथ जुड़ना चाहते हैं। उनको कोई सरकार एक करोड़ देती है, तो कोई दो करोड़ रुपए देती है। हम लोगों ने मिशन एक्सीलेंस योजना इसीलिए शुरू किया था, ताकि जो खिलाड़ी आगे बढ़ रहा है, उसको प्रशिक्षण आदि में आर्थिक मदद पहुंचाई जा सके।

योजना में किसी भी तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है – मिशन एक्सीलेंस इसीलिए शुरू किया गया था कि ऐसे खिलाड़ी जो अभी वो पहले मेडल की तैयारी कर रहे हैं या राष्ट्रीय स्तर पर एक-दो मेडल ले चुके हैं और अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तैयारी कर रहे हैं, उन लोगों को हम मदद करें ताकि उनको पैसे की कमी न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले साल में 117 ऐसे खिलाड़ियों को मदद दी थी और आज 60 ऐसे खिलाड़ियों को चेक बांटे गए हैं, जिन्होंने मिशन एक्सीलेंस के तहत आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया है। सब लोगों को अलग-अलग राशि दी गई है। अच्छी बात यह है कि इसके अंदर किसी भी तरह का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। चार सदस्यीय चयन समिति है, जिसमें चारों सदस्य स्पोर्ट्स मैन हैं। यह समिति तय करती है कि इस स्कीम के तहत किसको और कितनी सहायता राशि देनी है। इस स्कीम के तहत अधिकतम 16 लाख रुपए की सहायता राशि दी जा सकती है। निगरानी समिति तय करती है कि खिलाड़ियों को उनके खेल के हिसाब से कितनी सहायता राशि की जरूरत है। आज करीब 60 खिलाड़ियों को सहायता राशि के चेक दिए गए। यह कुल राशि नौ करोड़ रुपए से अधिक है।

दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी सिर्फ दिल्ली वालों के लिए नहीं है – मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि देश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा मेडल मिले। 130 करोड़ लोगों का हमारा देश है और जब मेडल लेने की बात आती है, तो हम लोग गिने-चुने दो-चार मेडल लेकर आते हैं। हमारा सपना यह है कि हमें चीन को भी पीछे छोड़ना है। आज जितने मेडल चीन और अमेरिका लेकर आते हैं, हमें उससे ज्यादा मेडल लेकर आना है। इसके लिए हमें जो भी सहूलियतें देनी पड़ेगी, हम देंगे। अभी हमने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी शुरू की है। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में अभी हमने यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट लंदन के साथ

● ....शेष भाग पेज 3 पर

सिंगल यूज प्लास्टिक को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय मेले का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में समर एक्शन योजना को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस बैठक में पर्यावरण विभाग, डीपीसीसी डीएसआईआईडसी, एमसीडी, शिक्षा विभाग, दिल्ली पुलिस, डीटीसी, आई एंड एफसी, पीडब्लूडी, डीसीबी आदि विभागों के अधिकारी शामिल रहे। बैठक के दौरान गोपाल राय ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समर योजना के 14 बिन्दुओं पर चर्चा की। बैठक के बाद सिंगल यूज प्लास्टिक के अन्य विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय मेला एक जुलाई से तीन जुलाई के बीच त्यागराज स्टेडियम में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया की दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण के खिलाफ सरकार निरंतर कार्य कर रही है। प्रदूषण को बढ़ावा देने में सिंगल यूज प्लास्टिक भी एक एहम भूमिका निभाता रहा हैं। ऐसे में सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग को रोकने के लिए जागरुकता अभियान जरूरी है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया हैं कि एक जुलाई से लेकर तीन जुलाई तक त्यागराज स्टेडियम में सिंगल यूज प्लास्टिक के अन्य विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक के अन्य विकल्पों से सम्बन्धी उत्पाद बनाने

वाली कंपनियों , स्टार्ट अप्स और संस्थाए भाग लेंगी और अपने उत्पादकों को एक मंच से लोगो के बीच साझा कर पाएंगे। उक्त मेले में सिंगल यूज प्लास्टिक के अन्य विकल्प जैसे मिट्टी के बर्तन, कपड़े, पेपर और जूट से बने बैग्स, बायो डिग्रेडेबल चीजो से बनी क्राकरी को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही रीसाइकल्ड प्लास्टिक से बनी चीजे जैसे ट्रेज, फूलदान, स्टैंड, फोटो फ्रेम्स आदि,कंपोस्टेबल उत्पाद, कंपोस्टेबल खाद्य पैकेजिंग सामग्री, घरेलू सजावट का सामान भी इस प्रदर्शनी में शामिल रहेंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक के अन्य विकल्पों पर कार्य कर रहे उत्पादक पंजीकरण कराने के लिए पर्यावरण विभाग की वेबसाइट www.environment.delhigovt.nic.in पर लॉग इन कर सकते है। उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा की सिंगल यूज प्लास्टिक के अन्य विकल्प का उत्पादन करने वाले स्टार्ट-अप्स/उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए सरकार के साथ अपना हाथ मिलाएं और नागरिकों को दिल्ली को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के लिए एसयूपीएस के विकल्पों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें। मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हर समय मौजूद रहता है। आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने के लिए लगातार काम किए हैं। उन तमाम उपायों के परिणाम स्वरूप दिल्ली के अंदर प्रदूषण के स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

DELHI CRIME 25 june 2022:Layout 1 6/24/2022 7:39 PM Page 2

सम्पादकीय

कश्मीरियत की अग्नि परीक्षा

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर मे विभाजन कारी एवं विवादित अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए निष्प्रभावी होने के बाद मोदी सरकार सबसे अहम काम जम्मू कश्मीर को अन्य राज्यों की तरह मुख्यधारा में शामिल करने का किया केंद्र सरकार के इस कदम ने घाटी के हालात तेजी से बदल के रख दिए थे, 5 अगस्त 2019 कोअनुच्छेद 370 निष्प्रभावी होने के पश्चात घाटी की सड़कों पर आए दिन होने वाली निरपराध लोगों की हत्या पर विराम लग गया था,यही नहीजम्मू और कश्मीर में प्रशासन की लोगों तक पहुंच बढ़ी थी , साथ ही राज्य के आवाम को नए आत्मविश्वास से लबरेज भी कर दिया था ,विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन ने काफी उम्दा काम किया वास्तविकता यह है किपिछले ढाई साल से भी ज्यादा समय में सुरक्षा बलों की कार्रवाई के चलते निरपराध कश्मीरी मारा नहीं गया ,कड़वा सच तो यह है कि अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी होने के पश्चात ही जम्मू-कश्मीर की तस्वीर काफी तेजी से बदलना शुरू हो गई थी जिस तेजी से घाटी में स्थितियां सामान हुई थी उसी तेजी से बीते कुछ समय से कुछ नकारात्मक तत्वों के कारण घाटी के हालात पुनः बिगड़ना शुरू हो गए इसका अंदाज इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों मैं रत प्रतिभाशाली छात्र राह भटक कर आतंकी गतिविधियों में बढ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं इन तथ्यों का खुलासा बीते दिनों सुरक्षा एजेंसियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए चारों आतंकियों की पहचान के बाद हुई तफ्तीश मैं हुआ था ,मौजूदा हालात नेसुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा कर रख दी है उधर माता-पिता भी आपने प्रतिभाशाली बच्चो के अपराधिक दुनिया में कदम रखने से उनके भविष्य को ग्रहण लगता दे ख खासहैरान परेशान है, दरअसल में 2019 मैं अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी किए जाने के पश्चात जून 2020 से घाटी की स्थितियां बिगड़नाप्रारंभ हो गई थी गंभीरता से पुनः आकलन की जरूरत महसूस होने लगी थी ,कश्मीर में बीते कुछ महीनों में आतंकवादियों द्वारा अपने नापाक मंसूबों को पूरा करने के मकसद से एक जाति विशेष के निरपराध लोगों को लक्षित करके उनकी हत्या किए जाने से खौफ का वातावरण बन गया है कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा लक्षित हत्या की घटनाएं भले ही पहली बार नहीं हो रही हो फिर भी जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के समाप्त होने तथा उसके सीधे केंद्र के नियंत्रण में आने के पश्चात से और खासकर पिछले छह महीनों में ऐसी वारदात तेजी से बढ़ी है इससे भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी लक्षित हत्याओं के निशाने पर पहली बार बाहर से आए कामगार ही नहीं कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर शुरू की गई विशेष योजना के अंतर्गत घाटी में विभिन्न स्थानों पर तैनात किए गए करीब 5000 कर्मचारी तथा हिंदू शिक्षक भी है ,स्वाभाविक रूप से ऐसी घटनाओं से गैर स्थानी य लोग तथा कश्मीरी पंडित व अन्य हिंदुओं में दहशत बढ़ती जा रही है इसके साथ ही हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए भले ही खीर भवानी मेले में कश्मीरी मुस्लिमों और पंडितों के मध्य एकजुटता की कसमें खाई गई हो ,मगर आए दिन मारे जा रहे कश्मीरी पंडितों की शव यात्रा में कश्मीरी मुसलमान संख्या में सबसे ज्यादा और सबसे आगे खड़े दिखाई देते हो लेकिन असलियत यह है कि कश्मीर का बाशिंदा टारगेट किलिंग की घटनाओं को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं,वह अब भी उसी तरह चुप्पी साधे हुए है, जैसी कि 1990 में सादे हुए था कश्मीर में अल्पसंख्यकों के साथ जो घटित हो रहा है उसके लिए समाज के एक बड़े हिस्से के मोन समर्थकनको भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए यह सब अकारण भी नहीं है इसकी खास वजह है और कई कारण भी जो कश्मीरी पंडित वर्षों से कश्मीर में रह रहे हैं और जिन्होंने 90 के दौर में भी घाटी मै बने अपने पुश्तैनी आवास को नहीं छोड़ा था उनकी शिकायत यह है कि सरकार ने कश्मीर में लौटे पंडितों के लिए तो सुविधाओं और रियायतोका अंबार लगा दिया ,लेकिन उनकी सुध नहीं ली ,जम्मू कश्मीर का जो बहु संख्य क तब का है उसके मध्य -बड़ेपैमाने पर य हआम धारणा बनाई गई है कि २०१९ के पश्चात विभाजन कारी एवं विवादित अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावी होने के पश्चात उनका रक्षा कवच खो गया है और कश्मीरी पंडितों को मिल रही तमाम तरह की सहूलियत और प्राथमिकता के चलते आने वाले वक्त में उनकी सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक हैसियत के लिए नकारात्मक साबित होंगी।

द्रौपदी मुर्मू: एक तीर कई निशाने

लेखक- प्रमोद भार्गव /ईएमएस

भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के बहाने फिर बड़ा दांव खेला है। दलित समुदाय से आने वाले रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति बनाने के बाद महिला आदिवासी नेता द्रौपदी मुर्मू को एनडीए ने राष्ट्रपति पद के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर जनजातीय समुदाय को लुभाने का दांव चला दिया है। देश में करीब 13 करोड़ आदिवासी हैं। आजादी के 75वें वर्ष में पहली बार इस जाति के व्यक्ति को देश का प्रथम नागरिक बनाने की सार्थक पहल हुई है। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान मुस्लिम समुदाय से एपीजे अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनने का मौका मिला था। महिला राष्ट्रपति के रूप में कांग्रेस प्रतिभा पाटिल को राष्ट्रपति बना चुकी है। सोशल मीडिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि जब दलित, मुस्लिम और महिला को राष्ट्रपति बना देने से इन समाजों का समग्र भला नहीं हुआ तो मुर्मू के राष्ट्रपति बन जाने से आदिवासी समुदाय का कौन-सा भला हो जाएगा। बौद्धिक समुदाय का ये प्रश्न नितांत बौने एवं अप्रासंगिक हैं। दरअसल किसी भी वंचित या पिछड़े समुदाय का व्यक्ति राष्ट्र के गौरव का प्रतीक बनता है तो उस समुदाय की अस्मिता का आत्मबल बढ़ता है और वह बड़े सामाजिक समुदाय के बराबर आ खड़ा होता है। मंडल आयोग के लागू होने के बाद पिछड़ी जातियां आज देश के नेतृत्व का प्रमुख आधार बनी हुई हैं। यही नहीं मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से आदिवासियों का सुनियोजित ढंग से जो ईसाईकरण हो रहा है, उस पर भी अंकुश लगेगा। हिंदुओं से तोड़ने के लिए इनकी अलग गिनती कराने का जो षड्यंत्र रचा जा रहा है, उसके विरुद्ध इस समुदाय की आवाज बुलंद होगी और हिंदुत्व खंडित होने से बचेगा। इस चाल के बहाने भाजपा की निगाह लोकसभा की 543 सीटों में से उन 47 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भी है, जो आदिवासी बहुल हैं। गोया, देश की संप्रभुता से इस समुदाय को जोड़े रखने की भी यह एक बड़ी राजनीतिक पहल है। परंतु भारतीय व्यवस्था में अंग्रेज साम्राज्यवादियों ने भारतीय आदिवासियों के प्रति दोहरी दृष्टि अपनाई थी। उनकी जीवन और संस्कृति को बदलने के उपाय उनकी जीवन-शैली के अध्ययन के बहाने से शुरू किए गए थे। यह अध्ययन उन्हें मानव मानकर चलने से कहीं ज्यादा, उन्हें वस्तु और वस्तु से भी इतर पुरातत्वीय वस्तु मानकर किए गए। नतीजतन आदिवासी अध्ययन और संरक्षण की सरकारी स्तर पर नई शाखाएं खुल गईं। आदिवासी क्षेत्रों में ईसाई मिशनरियों को काम के लिए उत्साहित किया गया। मिशनरियों ने शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम तो किए लेकिन सुनियोजित ढंग से धर्म परिवर्तन के अभियान भी चलाए। इन अभियानों में बौद्धिक भारतीयों के तर्क बाधा न बनें, इसलिए कई आदिवासी बहुल क्षेत्रों को ह्यवर्जित क्षेत्रह्य घोषित करने की कोशिशें हुईं। बहाना बनाया गया कि इनकी पारंपरिक संस्कृति और ज्ञान परंपरा को सुरक्षित बनाए रखने के ये उपक्रम हैं। मिशनरियों को स्थापित करने के परिप्रेक्ष्य में तर्क दिया कि इन्हें सभ्य और शिक्षित बनाना है। किंतु ये दलीलें तब झूठी सिद्ध हो गईं, जब संस्कृति और धर्म बदलने के ये कथित उपाय अंग्रेजी सत्ता के लिए चुनौती बनने लगीं। स्वतंत्रता आंदोलन की पहली चिंगारियां इसी दमन के विरुद्ध आदिवासी क्षेत्रों में फूटीं। भील और संथाल आदिवासियों के विद्रोह इसी दमन की उपज थे।

जिस 1857 को देश का सुनियोजित प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है, उसमें आहुति अनेक आदिवासी समुदायों ने दी। बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, ठक्कर बापा और गुंडाधुर जैसे आदिवासी क्रांति के नायकों की एक पूरी श्रृंखला है। द्रौपदी मुर्मू ओडिशा के मयूरभंज जिले के ऐसे ही क्रांतिकारी संथाल आदिवासी समुदाय से आती हैं। ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य-प्रदेश और झारखंड ऐसे राज्य हैं, जहां आदिवासी समुदाय का सबसे ज्यादा धर्मांतरण ईसाई मिशनरियों ने किया है। संघ एवं भाजपा का लक्ष्य उन कानूनी लोचों को खत्म करना भी है, जिनके चलते आदिवासियों का धर्मांतरण आसान बना हुआ है। लोकसभा के पिछले सत्र में भाजपा के दो सांसद झारखंड के निशिकांत दुबे और मध्य प्रदेश के ढाल सिंह बिसेन ने धर्मांतरण के इस मुद्दे को उठाते हुए मांग की थी कि ह्यदूसरा धर्म अपनाने वाले लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए क्योंकि अनुसूचित जातियों और जनजातियों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन का चलन लगातार बढ़ रहा है। दरअसल संविधान के अनुच्छेद-342 में धर्म परिवर्तन के संबंध में अनुच्छेद-341 जैसे प्रावधानों में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एसटी) के लोग धर्म परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत संविधान निमार्ताओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लेखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। इसी परिप्रेक्ष्य में 1956 में एक संशोधन विधेयक द्वारा अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध के लिए प्रावधान किया गया था कि यदि इस जाति का कोई व्यक्ति ईसाई या मुस्लिम धर्म स्वीकारता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। किंतु यह विधेयक अब तक पारित नहीं हो पाया है। अनुच्छेद 341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिंदू, बौद्ध और सिख अपनाने वाले हैं। गोया, अनुच्छेद-342 में 341 जैसे प्रावधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण की समस्या पर स्वाभाविक रूप से अंकुश लग जाएगा। द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद ऐसे झोलों को खत्म करने की संभावना बढ़ जाएगी। झारखंड के आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक आभासी परिचर्चा में कहा था कि भारत के आदिवासी हिंदु नहीं हैं। वे पहले न कभी हिंदू थे और न कभी हिंदू होंगे। झारखंड में 32 आदिवासी प्रजातियां हैं, जो अपनी भाषा, संस्कृति और रीति-रिवाजों को अस्तित्व में बनाए रखने के लिए संघर्षरत हैं। उन्होंने यह बात अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक वेबिनार में कही थी। इस बयान को लेकर विश्व हिंदू परिषद के महासचिव मिलिंद परांडे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सोरेन के बयान को ईसाई मिशनरियों की कुटिल चाल बताया था। दरअसल सोरेन जबसे झारखंड के मुख्यमंत्री बने हैं, तभी से 2021 के जनगणना पत्रक में नए कॉलम और कोड को लेकर विवादित बयान दे रहे हैं। भारत में ऐसे अनेक वामपंथी बौद्धिक हैं, जो भारतीय जाति व्यवस्था को लेकर दुराग्रह से भरे हैं। जबकि स्वयं उसी जातिवाद के अनुयायी हैं। हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हमेशा इस कोशिश में रहा है कि आदिवासी जनगणना प्रारूप में अपना धर्म हिंदू लिखें। प्रकृति के उपासक देश के सभी 645 आदिवासी समुदाय हिंदू हैं क्योंकि वे भगवान शिव की पूजा के साथ उन सभी देवी-देवताओं की पूजा करते हैं, जिनकी बृहद हिंदू समाज पूजा करता है। यही नहीं, इन्हीं देवों से वे अपनी उत्पत्ति बताते हैं। देशभर की आदिवासी लोक-कथाएं इन तथ्यों की पुष्टि करती हैं। वाल्मीकि रामायण और महाभारत में आदिवासियों को वनवासी कहा गया है। इन वनवासी पात्रों की मान्यता समूची सनातन संस्कृति में राम और कृष्ण के समतुल्य है। आदिवासी- कहने को तो चार अक्षरों की छोटी सी संज्ञा है, लेकिन यह शब्द देशभर में फैली अनेक आदिवासी या वनवासी नस्लों, उनके सामाजिक संस्कारों, संस्कृति और सरोकारों से जुड़ा है। इनके जितने सामुदायिक समूह हैं, उतनी ही विविधतापूर्ण जीवन शैली और संस्कृति है। चूंकि अभी भी इस संस्कृति के जीवनदायी मूल्यों और उल्लासमयी अठखेलियों से अपरिचित हैं, इसलिए इनका जीवन हमारे लिए विस्मयकारी बना हुआ है। इस संयोग के चलते ही उनके प्रति यह धारणा भी बना ली गई है कि एक तो वे केवल प्रकृति प्रेमी हैं, दूसरे वे आधुनिक सभ्यता और संस्कृति से दूर हैं। इस कारण उनके उस पक्ष को तो ज्यादा उभारा गया, जो ह्यघोटुलह्य, ह्यभगोरियाह्य और ह्यरोरूंगह्य जैसे उन्मुक्त रीति-रिवाजों और दैहिक खुलेपन से जुड़े थे, लेकिन उन मूल्यों को नहीं उभारा गया, जो प्रकृति से जुड़ी ज्ञान-परंपरा, वन्य जीवों से सह-अस्तित्व, प्रेम और पुनर्विवाह जैसे आधुनिकतम सामाजिक मूल्यों व सरोकारों से जुड़े हुए हैं। इन संदर्भों में उनका जीवन व संस्कृति से जुड़ा संसार आदर्श रहा है। इन उनमुक्त संबंधों, बहुरंगी पोशाकों, लकड़ी और वन्य जीवों के दांतों व हड्डियों से बने आभूषणों के साथ उमंग एवं उल्लास भरे लोक-गीत, संगीत तथा नृत्य से सराबोर रूमानी संसार व रीति-रीवाजों को कौतहुल तो माना, किंतु कथित सभ्यता के मापदण्ड पर खरा नहीं माना। उनके सदियों से चले आ रहे पारंपरिक जीवन को आधुनिक सभ्यता की दृष्टि से पिछड़ा माना। उन्हें असभ्य माना। परिणामतः समाजशास्त्रियों तथा मानवतावादियों को उन पर तरस आया और उन्हें ह्यसभ्यह्य व आधुनिक बनाने के अभियानों की होड़ लग गई। उन्हें सनातन हिंदू धर्म से अलग करने की कोशिशें इसी अभियान का हिस्सा हैं। इस मुहिम में मिशनरियां भारत की परतंत्रता के समय से ही लगी हुई हैं। द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनती हैं तो जो लोग इस वनवासी समुदाय को हिंदु और हिंदुत्व को तोड़ने में लगे हैं, उन्हें झटका लगेगा। जो लोग भ्रमित हो गए हैं, वे अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने में सम्मान और गौरव का अनुभव करेंगे।

आज का कार्टून।

संपत्ति का नुकसान

लेखक-सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

अग्निपथ योजना पर देश के कई हिस्सों में भारी बवाल मचा है। इसमें ट्रेनों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया गया। इससे रेलवे की संपत्ति और यात्रियों के रिफंड को मिलाकर कुल एक हजार करोड़ से ज्यादा के नुकसान की आशंका है। यही नहीं, 12 लाख लोगों को यात्रा रद्द करनी पड़ी। 922 मेल एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द हुईं। 120 मेल ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द हु-ईं। डेढ़ लाख यात्रियों को बीच रास्ते में ट्रेन छोडड़ी पड़ी। करीब 70 करोड़ रुपए का यात्रियों को रिफंड दिया गया। पूर्व मध्य रेल जोन को 241 करोड़ रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। जिस सार्वजनिक संपत्ति को प्रदर्शनकारियों द्वारा अंधाधुंध निशाना बनाया जा रहा है, उसमें करोड़ों करदाताओं की गाढ़ी कमाई लगी हुई है। मेल एक्सप्रेस 24 कोच की होती है। इंजन 12 करोड़ रुपए का है। एसी कोच ढाई करोड़, स्लीपर जनरल कोच 2 करोड़ रुपए का होता है। एक ट्रेन 30 करोड़ रुपए की पड़ती है। विरोध में 21 ट्रेनें अलग-अलग जगह जलाई गईं। सेना के तीनों अंगों में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ योजना के विरोध में देश के विभिन्न हिस्सों में जैसी भीषण और राष्ट्रघाती अराजकता हो रही है, वह न केवल चिंताजनक है, बल्कि शर्मनाक भी। यह अकल्पनीय है कि जो युवा सेना में जाकर देश की सेवा करने के आकांक्षी हैं, वे ट्रेनों एवं बसों को जला रहे हैं, पुलिस चौकियों पर हमले कर रहे हैं और अन्य सरकारी तथा गैर सरकारी संपत्ति को ऐसे नष्ट कर रहे हैं, जैसे वह शत्रु देश की हो। ऐसा लगता है कि सड़कों पर उतरकर अराजकता का परिचय दे रहे युवा मानसिक रूप से उसी दौर में जी रहे हैं, जब देश अंग्रेजों के अधीन था और स्वतंत्रता आंदोलन के तहत अंग्रेजी सत्ता की संपत्ति को निशाना बनाया जाता था। क्या सड़कों पर उत्पात मचा रहे युवा यह नहीं जानते कि वे अपनी अराजक हरकतों और हिंसक व्यवहार से राष्ट्र की संपत्ति के साथ-साथ आम लोगों का भी नुकसान कर रहे हैं? आखिर इस नुकसान की भरपाई जनता के पैसे से ही तो होगी। लगता है कि उपद्रवी तत्व यह जानने-समझने को तैयार नहीं कि वे सरकारी संपत्ति को नष्ट करके करदाताओं की गाढ़ी कमाई बर्बाद कर रहे हैं। कहीं उनकी बेपरवाही का कारण यह तो नहीं कि वे न तो टैक्स देते हैं और न ही यह समझते हैं कि लोगों के टैक्स से ही देश चलता है? यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि सरकारी संपदा को स्वाहा कर रहे युवा न तो संयम का परिचय देना जानते हैं और न ही विवेक का। आखिर ऐसे उत्पाती युवाओं को सेना में क्यों शामिल होने देना चाहिए? वे जिस तरह पेंशन की चिंता कर रहे हैं, उससे देश सेवा के उनके जज्बे पर प्रश्नचिह्न ही लगता है। आवश्यक केवल यह नहीं है कि उत्पात मचा रहे युवाओं से सख्ती से निपटा जाए, जो नुकसान पहुंचाया जा रहा है, उसकी भरपाई भी उनसे की जाए। उन्हें उकसा रहे तत्वों के खिलाफ भी सख्ती बरतनी होगी, क्योंकि यह साफ दिख रहा है कि कुछ स्वार्थी तत्व उन्हें भड़का रहे हैं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि रेलवे ऐसे नियम बनाने जा रहा है, जिससे उसकी संपत्ति नष्ट करने वालों को जवाबदेह बनाया जा सके। इस तरह के कुछ नियम पहले से बने हुए हैं, लेकिन उन पर सही तरह से अमल नहीं हो रहा है। वास्तव में इसी कारण विरोध के बहाने अराजकता बढ़ती जा रही है। इस अराजकता से सख्ती से नहीं निपटा गया तो आगे भी ऐसा होता दिखेगा। कुछ वर्षों से देश में नागरिक अधिकारों व प्रजातंत्र के नाम पर ऐसे व्यवहार का प्रदर्शन किया जाने लगा है कि एकबारगी यह समझ पाना मुश्किल हो जाता है कि इसे राष्ट्रहित कहें या फिर राष्ट्रद्रोह। देखा जाए तो शुरूआती दौर में सरकारी संपत्ति के नुकसान का श्रेय भी हमारी राजनीतिक संस्कृति को ही जाता है। तब इसे इतनी गंभीरता से नही लिया गया। लेकिन धीरे धीरे इसे अपने विरोध का एक कारगर तरीका ही बना दिया गया। आज स्थिति यह है कि किसी मुहल्ले मे बिजली की परेशानी हो या फिर पानी की समस्या, देखते देखते लोग सड़क जाम कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर देते हैं।

विराट सत्ता की झांकी

ईश्वर चेतना निराकार है। साकार तो उसका कलेवर भर दिखता है। ईश्वर का दृश्य स्वरूप यह विराट ब्रह्माण्ड है। अर्जुन, यशोदा, कौशल्या आदि का मन ईश्वर दर्शन के लिए व्याकुल हुआ तो उन्हें इसी रूप में दिव्य दर्शन कराये गये। इसके लिए दिव्य नेत्र दिये गये। कारण, स्थूल दृष्टि से विराट विश्व को नहीं देखा जा सकता। जिन्हें पूर्व कथानकों के अनुरूप दर्शन ही भक्ति भावना का सफलता का आधार दिखाई पड़ता है, उनके लिए प्रतिमा-प्रतीकों का निर्धारण किया गया है। व्यापक चेतना की सत्ता तो सभी प्राणियों में समान रूप से विद्यमान है। मात्र शरीरधारी आकार ही चाहिए तो फिर भगवान की आकृति किसी भी प्राणी के रूप में हो सकती है पर यह परिकल्पना रास नहीं आती और मनुष्य शरीर का अभ्यास होने के कारण अधिक मनभावन प्रतीत होता है। इसलिए प्रतिमाओं में मनुष्याकृति को ही प्रमुखता दी गयी है। यों तत्त्वदर्शियों ने मछली, वाराह, नृसिंह आदि को भी भगवान के अवतार बताकर प्राणी मात्र में दिव्य सत्ता का दर्शन करने का संकेत किया है, पर वह प्रतीक सब में प्रतिष्ठत न हो सका। चित्रों, प्रतिमाओं में देवी-देवताओं के वाहन पशु-पक्षी हैं पर उन्हें सेवक भर की मान्यता मिल सकी। यद्यपि निर्धारण कताओं का अभिप्राय यही था कि प्राणी मात्र में ईश्वर की झांकी की जाए और उनके साथ भी वैसा ही व्यवहार किया जाए जैसा दिव्य संरचना के हर घटक के साथ किया जाना उचित है। शिव का नंदी, सरस्वती का हंस, लक्ष्मी का हाथी, दुर्गा का सिंह प्रायः चित्रण में आते हैं। जब उच्च स्तरीय संवेदना उभरती है, तो अपने ही अंतराल से भगवान का आंशिक अवतरण हुआ समझा जा सकता है। जब वे सद्भावनाएं क्रिया रूप में परिणत होने के लिए मचल पड़ें और लोभ, मोह के बंधनों से बंधने में इंकार करने लगें, तो समझना चाहिए कि दिव्य अनुकंपा का आवेश आत्म चेतना पर अपना अनुग्रह बरसाने लगा है। शक्तियां सदा निराकार होती हैं। पवन का आकार कहां है? पर जब वह अंधड़ के साथ जुड़ जाता है, तो आंधी ही वायु रूप में दर्शन देती है। शब्द निराकार है पर जब जिह्वा, होंठ, कंठ आदि के माध्यम से वाणी मुखर होती है, तो उन अंगों का परिचालन वाणी का साकार स्वरूप दिखाई पड़ता है। वाद्य यंत्र भी ध्वनि के उद्गम के रूप में दृष्टिगोचर होते हैं। इसीलिए उच्च उद्देश्यों में निरत महामानवों को बहुधा अवतार की, भगवान की संज्ञा दी जाने लगती है। श्रेष्ठ भाव संवेदनाओं की तरह आदर्शवादी क्रियाकलाप दैवी अनुग्रह से गतिशील माने जाने लगते हैं।

आज की सबसे बड़ी चिन्ता परमाणु हथियार की यह विश्व स्पर्ध्दा क्यों....?

लेखक- ओमप्रकाश मेहता (ईएमएस)

क्या विश्व अब विनाश की ओर अग्रसर है? आज जिस तरह विश्व के देशों में परमाणु हथियार एकत्र करने की जो स्पर्द्धा चल रही है, उससे तो यही लगता है? आज भारत सहित विश्व के नौ देशों के पास परमाणु शस्त्रागार है, शीत युद्ध के बाद से यह स्पर्द्धा काफी बढ़ गई है, यदि सही सिलसिला आगे भी जारी रहा और परमाणु शास्त्रागारों में इजाफा होता रहा तो फिर विश्व की जिन्दगी कितने दिन की? किसी भी दिन कोई भी देश अपने परमाणु हथियारों का उपयोग छोटे-छोटे विवादों में ही बिना सोचे-समझे करने लगेगा तक विश्व का भविष्य क्या होगा? क्या इन देशों को यह पता भी है कि परमाणु हथियार कितने व्यापक रूप से घातक और विध्वंसक होते है? और.... इनके उपयोग पर क्या हश्र होता है? हाल ही में स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इन्स्टीट्यूट (सिपरी) थिंक टैंक ने अपने ईयर बुक 2022 के निष्कर्षो में यह गंभीर चेतावनी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण व युक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन ने दुनिया के परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। हथियारों, निरस्तीकरण, और अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा की स्थिति पर थिंक टैंक ने कहा है कि जहां एक वर्ष में परमाणु हथियारों की संख्या में थोड़ी गिरावट आई है, वहीं परमाणु शक्तियों द्वारा तत्काल कार्यवाकही नहीं की जाती है तो हथियारों की वैश्विक सूची अगले दशक में पहली बार बढ़ना शुरू हो सकती है। परमाणु हथियार सम्पन्न नौ देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इजराईल और उत्तर कोरिया ने परमाणु शास्त्रागार का आधुनिकीकरण करना जारी रखा है, भारत के पास पिछले साल के 156 की तुलना में 2022 में 160 परमाणु हथियार हो गए है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि विश्व के कुछ मौजूदा परमाणु हथियारों का 90 फीसदी हिस्सा दो देशों रूस और अमेरिका के पास है। पिछले दिनों यूक्रेन पर रूस के विशेष सैना अभियान में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने परमाणु हथियारों को हाई अलर्ट पर रखा था, रास्ते में खड़े देशों को हस्तक्षेप की स्थिति में युक्रेन जैसी ही स्थिति करने की धमकी भी दी थी, जो उन्होंने अब तक के अपने इतिहास में कभी नही दी होगी, रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा शास्त्रागार है। रूस और अमेरिका के पास कुल वैश्विक परमाणु हथियारों का 90 फीसदी से भी अधिक हिस्सा है। थिंक टैंक सीपरी ने अपनी इसी रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया है कि अमेरिका व रूस के अलाव सात देश नई हथियार प्रणाली विकसित कर रहे है, या ऐसा इरादा जता चुके है। उपग्रह छवियों से संकेत मिला है कि चीन 300 से अधिक मिसाईल साईलों का निर्माण कर रहा है। वैसे रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जनवरी 2022 में परमाणु हथियारों की वैश्विक संख्या 375 गिरकर 12 हजार 705 हो गई, जो जनवरी 22 से पहले 13080 थी, इनमें 3732 हथियार मिसाइलों और विमानों के साथ तैनात किए गए है। थिंक टैंक सीपरी की इस ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस समय विश्व के नौ देशों के पास परमाणु हथियारों का जखीरा है, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि किस देश के पास कितने परमाणु हथियार है, रिपोर्ट के अनुसार रूस के पास 5977, अमेरिका के पास 5428, चीन के पास 350, फ्रांस के पास 290, ब्रिटेन के पास 225, पाकिस्तान के पास 135, भारत के पास 160, इजराइल के पास 90 तथा उत्तर कोरिया के पास 20, इस तरह कुल मिलाकर विश्व में आज इन नौ देशों के पास 12705 (बारह हजार सात सौ पांच) परमाणु हथियार है और इन्हीं के बलबूते पर हर देश अपने आपको सर्व शक्तिमान मान रहा है, किसी भी देश को इन हथियारों से होने वाले विध्वंस का भय नही है। जबकि आज से करीब सत्तर साल पहले स्व. राष्ट्र कवि प्रदीप जी ने फिल्म जाग्रति के एक चेतावनी भरे गीत में लिख दिया था:-

एटम बमों के जोर पे ऐंठी है ये दुनिया
बारूद के एक ढेर पर बैठी है ये दुनिया
तुम हर कदम उठाना जरा देखभाल के
इस देश को रखना मेरे बच्चों संभाल के....

ऐसे दूरदर्शी गीतकारों को भविष्यवक्ता से अधिक क्या कहा जाएं?

प्रसंगत: सच्ची सेवा

गाडग़े महाराज सच्चे निष्काम कर्मयोगी थे। उनके कपड़े फटे-चीथड़े होते थे तथा एक लकड़ी, फटी-पुरानी चादर तथा मिट्टी का एक छोटा बर्तन, यही उनकी संपत्ति थी। उनका बर्तन मिट्टी का होने के कारण ही लोगों ने उनका नाम 'गाड़गे' रख दिया था। पौष मास में अमरावती के समीपस्थ ऋषमोचन नामक ग्राम में बड़ा मेला लगा। तब हजारों दर्शनार्थी वहाँ एकत्रित हुए। मेले में लोग स्वच्छता का खयाल नहीं करते, फलस्वरूप दोने पत्तलों के कूड़े, रसोई के लिए प्रयोग किए गए मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े तथा हर प्रकार की गँदगी जहाँ-तहाँ पड़ी थी और लोगों का उस ओर बिलकुल ध्यान नहीं था। पर युवा गाड़गे महाराज नदी की ऊँची कगार को काटकर स्नानार्थियों के लिए राह बनाने में जुट गए। इतना ही नहीं, हाथ में झाड़ू ले वे अकेले गंदगी की सफाई करने लगे। दर्शनार्थियों के मन में कौतुहल के साथ-साथ उनके प्रति आदरभाव जागृत हुआ किंतु किसी की भी इच्छा न हुई कि उनका साथ दे। इतने में उनकी माता की दृष्टि उन पर पड़ी, तो उसने उन्हें घर चलने को कहा। गाड़गे महाराज बोले 'माँ! अपने आसपास का मानव संसार ही भगवान का प्रत्यक्ष रूप है। इन कोटि लोगों की यथाशक्ति सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची आराधना हो सकती है। सुगंधित फूल-पत्तों को पत्थर की मूर्ति पर चढ़ाने की अपेक्षा अपने आसपास विद्यमान चलती-फिरती दुनिया की सेवा तथा भूखों के लिए रोटी की व्यवस्था करने में ही जीवन की सार्थकता है। ऐसे फूल-पत्तों से तो हमारी झाड़ू श्रेष्ठ है, पर यह बात तुम्हारी समझ में नहीं आ सकती।' और यह सुन माता का हृदय गदगद हो उठा।

मंत्री ने सेनेटरी इंचार्ज को लगाई फटकार, लोगों की सुनीं समस्याएं

-कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने किया बल्लभगढ़ निगम का औचक दौरा

फरीदाबाद, (हि.स.)। प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने शुक्रवार को बल्लभगढ़ के नगर निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनते हुए नगर निगम कैंपस में खुले में बैठकर ही लोगों की समस्याएं सुनना शुरू कर दी। कैबिनेट मंत्री ने एक्सईएन और एसडीओ के अलावा अन्य स्टाफ से भी लोगों का काम कराने के लिए मौके पर ही आदेश दिए और कहा कि जनता को बेफिजूल में चक्कर ना कटाए। कर्मचारी और अधिकारी जनता के काम को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि वे आगामी शुक्रवार को फिर से नगर निगम कार्यालय में आएंगे और जनता की समस्याएं सुनेंगे। उन्होंने मौके पर आए लोगों को आश्वासन दिया कि वे आगामी शुक्रवार को फिर से नगर निगम कार्यालय में आएंगे यदि उनका कार्य नहीं होता तो वे उन्हें शुक्रवार को जरूर बताएं। यदि किसी की लापरवाही मिली तो उसी समय सख्त कार्रवाई भी करेंगे। नगर निगम कार्यालय पहुंचने की सूचना पर बल्लभगढ़ के एसडीएम त्रिलोकचंद भी पहुंच गए। जनता की समस्याएं सुनते हुए नगर निगम में पटवारी से संबंधित शिकायतें आई। जिस पर परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने उच्च अधिकारियों को बल्लभगढ़ में जल्द ही खाली पड़ी पटवारी के सीट पर पटवारी नियुक्त करने की बात कही। नगर निगम के जेटीओ भी मौजूद नहीं मिले।

जेटीओ से संबंधित लोगों को भी परेशानी हो रही थी। कैबिनेट मंत्री ने जब इस बारे में जानकारी ली तो पता चला कि नगर निगम के ज्वाइंट कमिश्नर और जेटीओ फरीदाबाद मीटिंग में गए हुए हैं। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ के एसडीएम त्रिलोकचंद को जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि शहर की सुंदरता को कायम रखने के लिए वे कार्य करें और साफ-सफाई व्यवस्था को देख रहे कर्मचारियों से पूरे शहर की सफाई का ब्यौरा लें। ताकि शहर में गंदगी ना फैले। इस अवसर पर इको ग्रीन के कर्मचारी और अधिकारी से उन्होंने बात की और कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि शहर में कूड़ा उठान का कार्य कर रही इकोग्रीन कंपनी के कर्मचारी और अधिकारी लापरवाही ना बरतें। इसके अलावा उन्होंने नगर निगम के भी सफाई निरीक्षक को हिदायत दी कि शहर में सभी वार्डों में पूरे सफाई कर्मचारी लगाकर शहर की सफाई बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें।

तिलहन की फसल लगाने वाले किसान को वित्तीय सहायता देगी सरकार: कैप्टन भूपेन्द्र

-किसानों की आर्थिक हालत सुधारने के लिए सरकार ने दिया जिला वाइज लक्ष्य

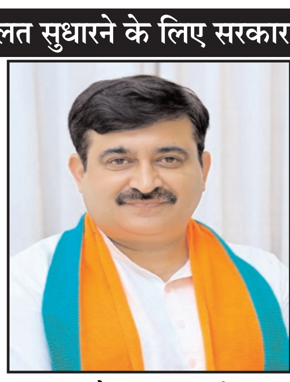

हिसार, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने कहा है कि हरियाणा सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत फसल विविधीकरण के अंतर्गत दलहन व तिलहन की फसलों को बढ़ावा देने के लिए नई योजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत प्रदेश में खरीफ 2022 के दौरान एक लाख एकड़ में दलहनी व तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष कैप्टन भूपेन्द्र ने शुक्रवार को सरकार की योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना के अंतर्गत तिलहनी फसल (अरंड व मूंगफली) को 30 हजार एकड़ में बढ़ावा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। तिलहन की फसल लगाने वाले किसान को 4000 रुपये व 1200 प्रति एकड़ वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। सरकार का प्रयास है कि तिलहन वाली फसलों को बढ़ावा देने से देश में खाद्य तेल की कमी को भी पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि योजना को सिरे चढ़ाने व किसानों को इसका लाभ देने के लिए हर जिले को उसका लक्ष्य दिया गया है। कैप्टन भूपेन्द्र ने कहा कि किसानों को अपनी आर्थिक हालत में सुधार के लिए सरकार की योजनाओं का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। उन्होंने जिला के किसानों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेने के लिए मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण अवश्य करवाएं। उन्होंने बताया कि एक किसान अधिकतम 2.5 एकड़ का लाभ ले सकता है। पंजीकरण करवाने के बाद किसानों को कृषि सामग्री खरीद कर उसके बिल संबंधित कृषि विकास अधिकारी के पास जमा करवाने होंगे। सत्यापन उपरान्त किसान के खाते में राशि डाल दी जाएगी। इसके बारे में विस्तार से जानकारी के लिए किसान संबंधित क्षेत्रों से कृषि अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

लुवास में रामचंद्र बने डिप्टी रजिस्ट्रार

हिसार, (हि.स.)। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलसचिव कार्यालय ने आदेश जारी करके विश्वविद्यालय में कार्यरत असिस्टेंट रजिस्ट्रार रामचंद्र को डिप्टी रजिस्ट्रार के पद पर पदोन्नत किया है। इस अवसर पर कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा और कुलसचिव डॉ. गुलशन नारंग ने उन्हें बधाई दी और आशा जताई कि वे भविष्य में और अधिक लग्न से विश्वविद्यालय की सेवा करेंगे। इस अवसर पर डिप्टी रजिस्ट्रार विकास खरब, उपाधीक्षक शशिबाला व सहायक रवि नारवारा आदि मौजूद थे। लुवास गैर शिक्षक संघ के प्रधान तरूण कुमार व महासचिव संदीप कुंडू ने कुलपति एवं कुलसचिव का आभार जताया और रामचंद्र को पदोन्नति पर शुभकामनाएं दी।

लुवास के दौरे पर आया अमेरिकी दूतावास का प्रतिनिधिमंडल

हिसार, (हि.स.)। अमेरिकी दूतावास, नई दिल्ली में कृषि मामलों के कार्यालय से संबंधित प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ क्षेत्रीय कृषि विशेषज्ञ मारियानो बेइलार्ड व वरिष्ठ कृषि विशेषज्ञ डॉ. संतोष कुमार सिंह शामिल थे। कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल व पशु चिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता एवं कुलसचिव डॉ. गुलशन नारंग ने विश्वविद्यालय पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा के नेतृत्व में कुलपति कार्यालय के समिति कक्ष में विदेशी प्रतिनिधियों ने अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, डीन सीओवीएस डॉ. गुलशन नारंग, पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग प्रमुख डॉ. सुशीला मान, पशु चिकित्सा माइक्रोबायोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ राजेश छाबड़ा और पशु जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान, पशु चिकित्सा परजीवी विज्ञान, पशुधन फार्म परिसर और पशु आनुवंशिकी और प्रजनन विभागों के वैज्ञानिकों के साथ बैठक की। डॉ. नरेश जिंदल ने विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों का विवरण देते हुए बताया कि लुवास द्वारा पशु जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विदेशी प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों की सराहना की और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रसिद्ध शोधकताओं के साथ भविष्य के सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। टीम ने विश्वविद्यालय के भैंस फार्म का दौरा किया और टीम सदस्य भैंस फार्म के प्रभावी प्रबंधन से प्रभावित हुए। उन्होंने पशु जैव प्रौद्योगिकी विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं के अलावा जीनोमिक डीएनए प्रयोगशाला (पशु आनुवंशिकी एवं प्रजनन विभाग), इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला (पशु चिकित्सा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग), और खाद्य सुरक्षा प्रयोगशाला (पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य एवं जानपदिक रोग विज्ञान विभाग) का भी दौरा किया। विदेशी प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय में विशेष रूप से आणविक निदान के विकास के क्षेत्र में किए गए शोध कार्य पर प्रसन्नता जताई और आगे संयुक्त राज्य अमेरिका में विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के साथ भविष्य के सहयोग पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मिले डॉ. कमल गुप्ता

-अर्बन डिजिटल मिशन बारे एमओयू पर किये हस्ताक्षर

-महाराजा अग्रसेन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की प्रगति पर भी की चर्चा

हिसार, (हि.स.)। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात कर शहरी विकास से सम्बंधित विषयों पर चर्चा की। बैठक में अमृत मिशन की अतिरिक्त सचिव डी धारा, स्मार्ट सिटी के सयुंक्त सचिव कुणाल कुमार, स्वच्छ भारत मिशन सयुंक्त सचिव रूपा मिश्रा, सयुंक्त सचिव कुलदीप नारायण सहित शहरी स्थानीय निकाय विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने हिसार में निमार्णाधीन महाराजा अग्रसेन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विषय मे केंद्रीय मंत्री से विस्तृत चर्चा की। केंद्रीय मंत्री ने पूरे प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र की ओर से इसमें सहयोग दिया जाएगा। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में पूरे विश्व मे यह आधुनिकता के मामले में अग्रणी एयरपोर्ट होगा। बैठक में हवाई अड्डे की प्रगति के अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी व अन्य शहरी विकास योजना की प्रगति, इन योजनाओं की अनुदान राशि व उनकी उपयोगिता पर आपसी विचार विमर्श किया गया। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से अब तक हुए प्रगति कार्यों की जानकारी उपलब्ध करवाई गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी व हरियाणा के निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने भारत सरकार व हरियाणा सरकार के नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन के समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने भारत सरकार द्वारा प्रायोजित सभी शहरी विकास योजनाओं के प्रदेश में सफलतापूर्वक संचालन व अनुदान राशि का समयबद्ध तरीके से उपयोग करने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने भी हरियाणा को सभी शहरी विकास से सम्बंधित योजनाओं के क्रियान्वन में सहयोग देने व राशि उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

कांग्रेस के दिग्गजों की जनता ने निकाय चुनाव में खोली दी पोल: मूलचंद शर्मा

फरीदाबाद, (हि.स.)। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने शुक्रवार को एक करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुए सैक्टर-64 व सैक्टर-65 में बने पुल का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि दर्जन भर से ज्यादा गांवों को आवागमन में राहत मिलेगी। कैबिनेट मंत्री ने निकाय चुनाव को लेकर बोला कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के दिग्गजों की जनता ने निकाय चुनाव में खोली पोल दी है। प्रदेश कांग्रेस मुक्त बनने जा रहा है। देश में भी कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में बल्लभगढ़ विधान सभा क्षेत्र में चहुमुखी विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दूंगा। मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ में एक और विकास की सौगात दी है । कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा सेक्टर- 65 में भूतपूर्व प्रधानमंत्री आटल बिहारी वाजपेयी चौंक पर साहूपुरा रोड से निकलने वाले प्याला डिस्ट्रीब्यूटर रजवाहे पर बनाए जाने वाले लगभग एक करोड़ रुपये की धनराशि की लागत से बनने वाले पुल के निर्माण कार्य का लोकार्पण कर रहे थे। इस पूल के बनने से सेक्टर-62,सेक्टर - 64, सेक्टर- 65 वासियो के अलावा बल्लभगढ़ विधान सभा क्षेत्र से जुड़े गांव साहूपुरा, सुनपैड, मलेरना, ऊचा गांव सहित विभिन्न इलाकों के लोगों को आवागमन की सुविधा मिलेगी। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने अधिकारियो को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में कार्य तेज गति से और सरकारी पैरामीटर के अनुरूप होना चाहिए। कोताही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुल को आरएमसी आधुनिक तकनीकी से बनाना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ,पारस जैन, बृजलाल शर्मा योगेश शर्मा ,लखन बेनीवाल ,गजेंद्र वैष्णव, कर्नल गोपाल सिंह, पूर्व सरपंच भगवत शर्मा, जितेंद्र बंसल , सीताराम अत्री, कैलाश वशिष्ठ, अनुराग गर्ग,कुलदीप माथरू, एसडीओ अरविंद शर्मा सहित सेक्टरों के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

स्कूली पाठ्यक्रम में महाराजा अग्रसेन की जीवनी शामिल करने की मांग

-हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन ने सीटीएम को ज्ञापन सौंपकर उठाई मांग

हिसार, (हि.स.)। हरियाणा प्रदेश वैश्य महासम्मेलन ने हरियाणा के स्कूली पाठ्यक्रम में महाराजा अग्रसेन की जीवनी सम्मिलित करने की मांग की है। इस संबंध में संगठन ने नगराधीश को मुख्यमंत्री के नाम शुक्रवार को ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि 2014 तक हरियाणा में पांचवी कक्षा की हिंदी पाठ्यक्रम में अहिंसा व समाजवाद के प्रवर्तक महाराज अग्रसेन जी की जीवन शामिल थी, जिसे हटा दिया गया। इसके बाद हरियाणा में पंजाब में यह मांग जोरों से उठी थी और आश्वासन दिया गया था कि इसे पाठ्यक्रम में पुनः शामिल कर लिया जाएगा। इस वर्ष पंजाब सरकार द्वारा जीवनी को पाठयक्रम में शामिल कर लिया गया परंतु हरियाणा में इसे लागू किया जाना शेष है। हरियाणा सरकार ने महाराजा अग्रसेन की राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक नीतियों को देखते हुए हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट रखा है व रेवाड़ी इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में महाराजा अग्रसेन चेयर स्थापित कर अग्रवाल समाज का गौरव बढ़ाया है। इस कार्य के लिए समाज मुख्यमंत्री का आभारी है लेकिन साथ ही मांग है महाराज अग्रसेन की जीवनी स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की लंबित मांग को पूरा करवाने की दिशा में संबंधित विभाग को आदेश दें। इस दौरान संजय डालमिया, वीरन्द्र गुप्ता, संजय गर्ग, दुनी चंद आदि उपस्थित रहे।

पेज 1 का शेष भाग

गुजरात दंगों में मोदी और 63 अन्य लोगों ...

है। मेहता ने आरोप लगाया था कि सिटजन फॉर पीस एंड जस्टिस और सबरंग इंडिया ट्रस्ट का निजी हितों के लिए इस्तेमाल किया गया। इनके खातों का लंबे समय तक आडिट नहीं किया गया। एसआईटी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने एसआईटी पर लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि एसआईटी ने काफी सूक्ष्मता से जांच की और उसकी जांच में कोई गड़बड़ी नहीं है। रोहतगी ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने गुलबर्गा सोसायटी दंगा मामले में 17 जून, 2016 को फैसला सुनाया। जाकिया जाफरी ने 2006 में शिकायत की। जब जाफरी अपना एफआईआर दर्ज करवाने की मांग के लिए हाईकोर्ट गईं तो उनके साथ एक एनजीओ की प्रमुख तीस्ता सीतलवाड़ भी शामिल हो गईं। हाईकोर्ट ने कहा था कि की तीस्ता सीतलवाड़ का इस केस से कोई लेना-देना नहीं है। जाकिया जाफरी की ओर से कपिल सिब्बल ने कहा था कि जांच के लिए महत्वपूर्ण गवाहों के बयान दर्ज नहीं किए गए। हिंसा भड़काने के लिए झूठे प्रोपगेंडा फैलाए गए लेकिन किसी की जांच नहीं हुई। सिब्बल ने कहा था कि तहलका के स्टिंग पर पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। उस स्टिंग में कहा गया है कि अस्पताल के बाहर जुटी भीड़ पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। तहलका के स्टिंग की तस्दीक राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, सिटिजंस ट्रिब्यूनल और वुमन पार्लियामेंट्री कमेटी ने भी की लेकिन किसी से पूछताछ नहीं की गई।

दिल्ली सरकार ने 60 खिलाड़ियों को चार ...

पहला करार किया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट लंदन स्पोर्ट्स के मामले में दुनिया की सबसे बेहतरीन यूनिवर्सिटी मानी जाती है। वहां से अब हमें किस्म-किस्म के कोच, गाइडेंस और एसओपी समेत कई तरह की मदद मिलेगी। हमारी स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को खड़ा करने में वो मदद करेंगे, ताकि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेकर जा सकें।

अब कबड्डी, कुश्ती, क्रिकेट और फूटबाल में बीए की डिग्री मिलेगी - अरविंद केजरीवाल ने कहा कि स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में कुछ ऐसे भी खिलाड़ी आएंगे, जो पहले से ही स्थापित होंगे, उनके हुनर को और निखारना है। इसके अलावा, छठीं-सातवीं कक्षा के जिन बच्चों के अंदर थोड़ा हुनर है उनको स्कूल में लिया जाएगा। उनको स्कूल में खेलने का मौका दिया जाएगा। फिर उनको खिलाड़ी के रूप में तैयार किया जाएगा। उनको बीए, एमए, कामर्स के लिए तैयार नहीं करेंगे, उनको बीए स्पोर्ट्स, बीए क्रिकेट, बीए कबड्डी में डिग्री मिलनी शुरू हो जाएगी। स्पोर्ट्स के लोगों को यह बड़ी दिक्कत आती है कि अगर खेलते-खेलते पढ़ाई छूट गई और बीए नहीं किया। अगर खेल में चयन नहीं हुआ, तो नौकरी भी नहीं मिलेगी। नौकरी में पूछते हैं कि डिग्री कौन सी है। अब यह चिंता करने की जरूरत नहीं है। अब कबड्डी खेले, कुश्ती करो, क्रिकेट और फूटबाल खेलेंगे तो आपको उसी खेल में बीए की डिग्री मिल जाएगी।

इन खिलाड़ियों को सौंपा गया सहायता राशि का चेक - मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। जिसमें एक्वेटिक के खिलाड़ी विशाल ग्रेवाल को पांच लाख, विनायक परिवहार को चार लाख रुपए, सिद्धांत सेजवाल को चार लाख और समित सेजवाल को चार लाख रुपए की आर्थिक मदद दी गई। इसी तरह एथलिट ट्रैकेट फील्ड से शरद कुमार को 16 लाख रुपए, श्वेता शर्मा को 3 लाख, निधि मिश्रा को दो लाख, नीरज यादव को तीन लाख, नारायण ठाकुर को 8 लाख रुपए, विजय कुमार को 8 लाख रुपए, विकास डागर को तीन लाख, डोली गोला को आठ लाख, ऋषिकांत शर्मा को तीन लाख, मुन्ना कुमार रजक को 12 लाख, अवनील कुमार को तीन लाख, मनीष कुमार को दस लाख, रमन को तीन लाख रुपए दिए गए। इसके अलावा, बैटमिंटन खिलाड़ी उत्कर्ष अरोड़ को दस लाख, बॉस्केट बॉल खिलाड़ी मोहम्मद फहीम को तीन लाख, जूड़ो खिलाड़ी मुस्कान को पांच लाख, गायत्री को दस लाख, कुश प्रिंसी बलहारा को 8 लाख, कराटा खिलाड़ी अख्तर को छह लाख, अक्षय को पांच लाख, दीपिका धीमान को आठ लाख, अनिकेत गुप्ता को आठ लाख, कराटा खिलाड़ी बासु खरे को छह लाख, हर्षिल को छह लाख, बुशू खिलाड़ी सुरोजीत सरदार को तीन लाख, स्नेहा गोसाई को छह लाख, शूटिंग खिलाड़ी दीपक कुमार को दस लाख, आदित्य त्रिपाठी को दस लाख, सॉफ्ट टेनिस में कल्याणी सिंह को तीन लाख, टेनिस में हर्ष फोगाट को दो लाख, रेसलिंग में रवि कुमार को 16 लाख रुपए, स्क्वैश में अमिरा सिंह को तीन लाख, एथलिट खिलाड़ी हर्षिता सेहरावत को 16 लाख रुपए समेत कई अन्य खिलाड़ियों को आर्थिक सहयोग का चेक देकर सम्मानित किया गया।

बाढ़ से बचाव के लिए घग्घर के बांध व लिंक चैनल हों मजबूत: उपायुक्त अजय सिंह तोमर

-उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने शुक्रवार को घग्घर के बांध व लिंक चैनल का किया निरीक्षण

-संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए जरूरी प्रबंध करने संबंधी दिशा-निर्देश

-नशे जैसी बुराई के खिलाफ ग्रामीणों से किया जागरूकता अभियान का आह्वान

सिरसा, (हि.स.)। उपायुक्त शुक्रवार को प्रातः बरसाती मौसम के मद्देनजर बाढ़ से बचाव संबंधी जरूरी प्रबंधों को लेकर घग्घर नदी के लिंक चैनल व हैड का निरीक्षण किया। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि घग्गर नदी के साथ लगते चैनल व हैड की समुचित सफाई बरसात से पहले करवाई जाए। नदी के तटबंध मजबूत बनाए जाएं व पुलों के आसपास सफाई सही ढंग से हो, ताकि इनमें पानी बहाव की क्षमता बढ़ सके। उपायुक्त शुक्रवार को बरसाती मौसम के मद्देनजर बाढ़ से बचाव संबंधी जरूरी प्रबंधों को लेकर घग्घर नदी के लिंक चैनल व हैड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुसाहिबवाला, फरमाई खुर्द, नेजाडेला कलां, झोपड़ा बांध, खैरेकां बांध, झोरडऩाली, धनूर बांध, अबूतगढ़ बांध, ओटू हैड का मौके पर जाकर जायजा लिया। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान सिंचाई व राजस्व विभाग के अधिकारियों से जिला में बाढ़ बचाव प्रबंधों को लेकर की गई तैयारियों की विस्तार से जानकारी भी ली और उन्हें सभी जरूरी प्रबंध व तैयारी पूर्ण करने संबंधी दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ एसडीएम सिरसा जयवीर यादव, एसडीएम कालांवाली उदय सिंह, एसडीएम ऐलनाबाद वेद प्रकाश, सीटीएम अजय सिंह, डीआरओ सुरेश कुमार, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता आत्मा राम भांभू अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे। उपायुक्त ने ओटू हैड पर मिट्टी निकासी के कार्य की भी विस्तार से जानकारी ली। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नदी के चैनल व हैड की निरंतर निगरानी के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाए। इसके अलावा मिट्टी के बैगों की भी समुचित व्यवस्था पहले से की जाए। उन्होंने गांव फरमाई खुर्द से गांव नेजाडेला तक बने बांध का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से कहा कि जहां भी आवश्यकता हो उन स्थानों पर तुरंत मिट्टी डलवाएं। अगर इन कार्यों में किसी प्रकार की कोई दिक्कत आती है तो तुरंत उनके संज्ञान में लाया जाए ताकि समय रहते उन दिक्कतों को दूर किया जा सके।

पराली प्रबंधन में नेपाल का सहयोग करेगा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

हिसार, (हि.स.)। पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए नेपाल का सात सदस्यीय शिष्टमंडल पराली प्रबंधन में उपयुक्त तकनीकी एवं मशीनों की जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से हिसार स्थित हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दौरे पर आया। इस सात सदस्यीय शिष्टमंडल का नेतृत्व नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी संस्थान के विभागाध्यक्ष जावेद आलम कर रहे हैं। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में तय हुआ कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय पराली प्रबंधन में नेपाल का सहयोग करेगा। इसके एचएयू विश्वविद्यालय नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के साथ एक एमओयू करके वहां के वैज्ञानिकों को पराली प्रबंधन संबंधी तकनीकी ज्ञान हस्तांतरित करेगा। नेपाल में संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग द्वारा समर्थित एकीकृत स्ट्रॉ प्रबंधन पर पायलट परियोजना कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना के प्रमुख कार्यान्वयन भागीदारों में नेपाल के कृषि इंजीनियरिंग विभाग, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, कृषि विभाग, नेपाल कृषि अनुसंधान परिषद और कृष्ण धन उद्योग (स्ट्रॉ ब्लॉक के निमार्ता) को शामिल किया गया है। बैठक में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि स्ट्रॉ बर्निंग एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई देशों के लिए चिंता का विषय है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां विशेषकर धान उत्पादक प्रांतों में यह एक गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा हरियाणा में इस समस्या से निपटने के लिए सरकार बहुत गंभीरता से कार्य कर रही है। इस मौके पर कुलपति ने नेपाली शिष्टमंडल को पराली प्रबंधन के क्षेत्र में हर संभव तकनीकी सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की बात कही जिसके तहत भविष्य में दोनों विश्वविद्यालय आपस में मिलकर अनुसंधान कार्य कर सकेंगे जिससे पराली प्रबंधन की समस्या का समाधान निकल सकेगा। इससे पूर्व विश्वविद्यालय पहुंचने पर इस नेपाली शिष्टमंडल का कृषि अभियान्त्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा व स्टाफ ने गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. डोगरा की अगुवानी में शिष्टमंडल को फार्म मशीनरी एंव पावर इंजीनियरिंग विभाग में पराली प्रबंधन में उपयोगी विभिन्न मशीनों (हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, जीरो टिल ड्रिल, स्पेसिअल ड्रिल, स्ट्रॉ चापर, मल्चर, हे रेक, बेलर आदि) व इनके परिचालन बारे जानकारी दी गई। विभागाध्यक्ष डॉ. विजया रानी तथा डॉ. अनिल कुमार ने विश्वविद्यालय के कृषि मशीनरी परीक्षण केन्द्र की गतिविधियों से शिष्टमंडल को अवगत कराया और मशीनों संबंधी उनके प्रश्नों के जवाब दिए।

चीन के लिए सीधी उड़ान के संबंध में चीनी विदेशमंत्री से भारतीय राजदूत ने की चर्चा

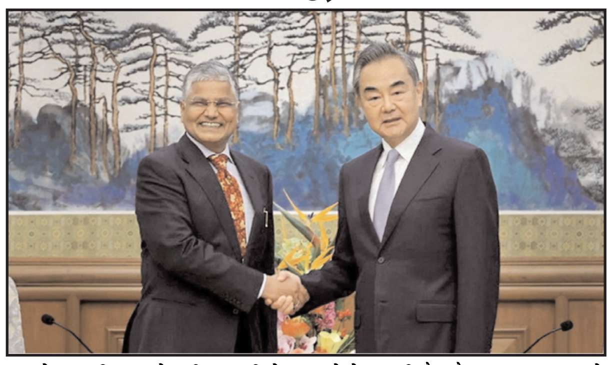

बीजिंग, (हि.स.)। कोविड प्रतिबंधों के चलते घर में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी और सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने को लेकर चीनी विदेशमंत्री से भारतीय राजदूत ने चर्चा की है। बीजिंग के कड़े कोविड प्रतिबंधों के चलते सीधी उड़ान नहीं होने से हजारों छात्र घर में फंसे हैं। इस समस्या को देखते हुए भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। भारतीय राजदूत ने वांग यी से हजारों भारतीय छात्रों की वापसी के लिए सीधी उड़ानें बहाल करने को लेकर चर्चा की। वांग यी ने इस साल मार्च में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात की थी। भारतीय दूतावास से जारी विज्ञप्ति में वांग के हवाले से कहा गया कि चीनी पक्ष ने भारतीय छात्रों की वापसी के संबंध में भारतीय पक्ष की चिंताओं को महत्व दिया और इस पर जल्द प्रगति होने की उम्मीद जताई है। विज्ञप्ति में कहा गया कि वांग ने दोनों देशों के बीच सीधे उड़ान संपर्क को बहाल करने पर हुई बातचीत का भी जिक्र किया। राजदूत रावत ने बताया कि भारत में संबंधित एजेंसी इस मामले को देख रही है और हम जल्द मामले में प्रगति देख सकते हैं। चीन की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, चीन के कॉलेजों में 23,000 से अधिक भारतीय छात्र पढ़ रहे हैं। 12,000 से अधिक भारतीय छात्रों ने वापसी की इच्छा प्रकट की है और उनकी जानकारी आगे की प्रक्रिया के लिए चीन की सरकार को भेज दी गई है।

मौजूदा आर्थिक संकट से निकलने के लिए मुल्क को देखने पड़ेंगे और बुरे दिन : शहबाज शरीफ

-चीन और आईएमएफ से और कर्ज ले रहा पाकिस्तान

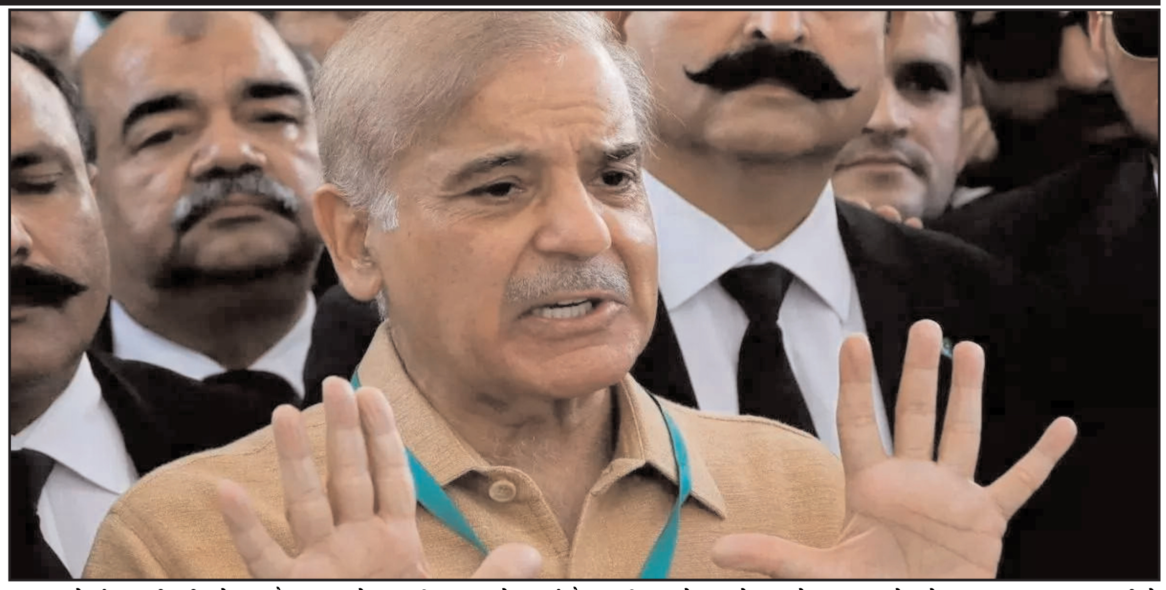

इस्लामाबाद (ईएमएस)। आर्थिक रूप से कंगाली के कगार पर पहुंच गए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की जनता को चेतावनी देते हुए कहा कि मौजूदा आर्थिक संकट से निकलने के लिए मुल्क को और बुरे दिन देखने पड़ेंगे। एक दिन पहले ही इस्लामाबाद और आईएमएफ के बीच 6 अरब डॉलर के रुके हुए सहायता पैकेज को पुनर्जीवित करने के लिए एक समझौता हुआ। पाकिस्तान की नई शहबाज सरकार ने आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए कई कड़े फैसले लिए हैं। कुछ दिनों पहले पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल की कीमतों में 30 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया था। पार्टी सांसदों की मीटिंग को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा कि पिछली सरकार के कामों की वजह से आईएमएफ उनकी सरकार पर भरोसा करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, 'आईएमएफ हम पर समझौते की सभी शर्तों को पूरा करने के लिए अड़ा था। यह एक कठिन दौर था और मैं बताना चाहता हूं कि मुल्क आगे चलकर और कठिन समय का सामना करेगा।' शहबाज शरीफ ने अर्थव्यवस्था को दिवालियेपन की ओर धकेलने के लिए पूर्व पाक पीएम इमरान खान की आलोचना की। शरीफ ने कहा, 'उनकी सरकार ने ईंधन की कीमतों पर टैक्स बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन इसका पालन करने के इनकार कर दिया।' वैश्विक ऋणदाता अगले महीने पाकिस्तान को लोन देगा। मंगलवार रात को एक स्टाफ-लेवल मीटिंग में दोनों पक्षों के बीच समझौते को अंतिम रूप दिया गया। आईएमएफ के साथ डील से पाकिस्तान को वर्ल्ड बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, इस्लामिक देश और दूसरे ऋणदाता संस्थानों से कर्ज लेने में आसानी होगी। एक दिन पहले पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि चीनी बैंकों ने 2.3 बिलियन डॉलर के कर्ज के लिए एक समझौते पर साइन किए हैं, जो कुछ दिनों में पाकिस्तान को मिल जाएगा। इससे पहले काराकोरम नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष मुमताज नागरी ने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान बढ़ते कर्ज का भुगतान करने के लिए गिलगित बाल्टिस्तान को चीन को लीज पर दे सकता है। नागरी के मुताबिक स्थानीय लोग इस बात को लेकर डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, 'गिलगित बाल्टिस्तान आने वाले समय में वैश्विक शक्तियों के लिए प्रतिस्पर्धा का मैदान बन सकता है।'

भारत ने अफगानिस्तान में फिर खोला दूतावास, तालिबान ने दी सुरक्षा की गारंटी

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान के 10 महीने बाद भारत ने बड़ा फैसला करते हुए अपने दूतावास को फिर से खोल दिया है। पिछले साल अगस्त में जब तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमाया था तो भारत ने अपना दूतावास बंद कर दिया था। जानकारी के मुताबिक संयुक्त सचिव स्तर के एक अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय टेक्निकल टीम राजधानी काबुल पहुंची। ये टीम मानवीय सहायता की आपूर्ति में विभिन्न पक्षकारों के साथ समन्वय एवं करीबी निगरानी करेगा। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, मानवीय सहायता की प्रभावी ढंग से आपूर्ति करने एवं अफगानिस्तान के लोगों के साथ जारी सम्पर्को की करीबी निगरानी एवं समन्वय के प्रयासों के मद्देनजर एक भारतीय तकनीकी दल आज काबुल पहुंचा और उसे हमारे दूतावास में तैनात किया गया। गौरतलब है कि भारत के इस कदम को युद्ध प्रभावित रहे अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद वहां अपनी अपनी पूर्ण मौजूदगी की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। मंत्रालय ने कहा, हाल ही में एक भारतीय दल ने अफगानिस्तान को हमारे मानवीय सहायता अभियान की आपूर्ति को देखने के लिये काबुल का दौरा किया था और वहां सत्तारूढ तालिबान के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात की थी। इस यात्रा के दौरान वहां सुरक्षा स्थिति का जायजा भी लिया गया था। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, अफगान समाज के साथ हमारे लंबे समय से संबंध तथा मानवीय सहायता सहित विकास साझेदारी हमारे दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करना जारी रखेगी। इस बीच, भारत ने अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में आए शक्तिशाली भूकंप को लेकर राहत सामग्री भी भेजी है और इसकी पहली खेप काबुल पहुंच गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, अफगानिस्तान के लोगों के लिये भारत की ओर से भूकंप राहत सहायता की पहली खेप काबुल पहुंच गई है। इसे वहां भारतीय दल को सौंप दिया गया है।

रूस में सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार की मौत

यारोस्लाव, (हि.स.)। रूस में रियाजान शहर के पास एक सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हवाई हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। क्षेत्रीय अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। क्षेत्रीय अधिकारियों ने प्रारंभिक सूचनाओं के आधार पर बताया है कि रियाजान के मिखाइलोवस्कॉय रोड-वे के पास विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई है और पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है। रियाजान शहर रूस का प्रशासनिक केंद्र है। यह वोल्गा नदी की सहायक नदी ओका नदी के तट पर स्थित है। यह मास्को के दक्षिणपूर्व में लगभग 170 किलोमीटर दूर है।

अमेरिका में पांच महिलाओं, कोएशिया में एक व्यक्ति को मंकीपॉक्स

वाशिंगटन/जाग्रेब, (हि.स.)। अमेरिका में पांच महिलाओं और यूरोपीय देश क्रोएशिया में एक व्यक्ति के मंकीपॉक्स से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने मंकीपॉक्स की स्थिति पर सलाहकार समिति की बैठक में यह जानकारी दी। क्रोएशिया में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला है। क्रोएशिया के सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में स्पेन और इटली का दौरा कर लौटे एक व्यक्ति के मंकीपॉस्क संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। यह व्यक्ति अपने घर पर आइसोलेशन में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 13 मई से 23 जून तक 48 देशों में मंकीपॉस्क के 3,200 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं।

हबल टेलीस्कोप ने खींची तारों की अनोखी तस्वीर

-तारे मखमली चादर पर रखे अलग-अलग रंगों के रत्नों की तरह दिख रहे

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के हबल टेलीस्कोप ने तारों की एक ऐसी ही तस्वीर खींची है जो किसी मखमली चादर पर रखे अलग-अलग रंगों के रत्नों की तरह दिख रहे हैं। लेकिन ये तस्वीर हैरान करने वाली है, क्योंकि इनमें से कई सितारे अंतरिक्ष में होने के बावजूद भी इंसानों को दिखाई नहीं देते हैं। हल्के नारंगी और लाल रंग के दिख रहे सितारे क्लस्टर का केंद्र हैं। वहीं कई सितारे नीले रंग के दिख रहे हैं, जो इंसानी आंख को नहीं दिखते। हबल के वाइड फील्ड कैमरा-3 के पास ये क्षमता है कि वह उस प्रकाश की वेवलेंथ को भी देख ले जिसे इंसान देख नहीं पाते। नासा की ओर से कहा गया कि धरती से 30 हजार प्रकाश वर्ष दूर लिलर-1है जो हमारी आकाशगंगा के बीच स्थित एक घना इलाका है जो धूल और गैस से भरा हुआ है।अंतरिक्ष में मौजूद ये धूल वाले बादल पूरे क्षेत्र में प्रकाश को बिखेर देते हैं, जिसके कारण लिलर-1 को देखना मुश्किल हो जाता है। बिना हबल टेलीस्कोप की खास क्षमताओं के इसे नहीं देखा जा सकता। इस तरह के धूल के बादल नीली रोशनी को खत्म करने में अच्छे होते हैं। हबल का वाइड फील्ड कैमरा-3 दिखने वाले प्रकाश और इन्फ्रारेड प्रकाश को भी देख सकता है। इसका कैमरा धूल से भरे हुए ब्रह्मांड के बीच में देख सकता है और लिलर-1 में मौजूद चमकदार सितारों को अधिक विस्तार के साथ देख सकता है। लिलर-1 में कुछ अद्वितीय गुण है। इसमें बेहद युवा और पुराने सितारों का मिश्रण भी शामिल है। जबकि अन्य गोलाकार क्लस्टर में सिर्फ पुराने सितारे ही दिखते हैं। लिलर-1 में कई तारों की उम्र 12 अरब वर्ष से भी ज्यादा है। वहीं कई तारे सिर्फ 1 अरब साल पुराने ही हैं। खगोलविद मानते हैं कि सितारों के लिए ये बेहद दुर्लभ और उपजाऊ तारकीय प्रणाली है। यहां नए सितारे लगातार बन रहे हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप में मारे गए लोगों को दफनाया गया, जीवित लोगों की तलाश जारी

काबुल (ईएमएस)। पूर्वी अफगानिस्तान में विनाशकारी भूकंप आने के एक दिन बाद लोगों ने अपने प्रियजनों के शवों को दफन कर दिया। भूकंप में जीवित बचे लोगों की तलाश के लिए शुरू किया अभियान अब भी जारी है। लोग भूकंप से ध्वस्त मकानों के मलबे को हटाकर जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। इस विनाशकारी भूकंप में करीब एक हजार लोगों की मौत हुई है जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। तालिबान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिलकर आपदा पीड़ितों को मदद पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। अफगानिस्तान का पक्तिका प्रांत, बुधवार को आए रिक्टर स्केल पर 6 तीव्रता के भूकंप का केंद्र था। अफगानिस्तान में बुधवार को आया भूकंप दशकों में सर्वाधिक विनाशकारी था। पर्वतीय क्षेत्र में हुई तबाही के बारे में जानकारी धीरे-धीरे सामने आ रही है। लोगों की खोजबीन में लगे अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मीडिया रिपोर्टों में 1,500 लोगों के घायल होने का दावा किया है। वहीं मृतकों की पहली स्वतंत्र गणना करने के बाद संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता समन्वय कार्यालय ने कहा कि पक्तिका और पड़ोसी खोस्त प्रांत में करीब 770 लोगों की मौत हो गई। भूकंप प्रभावित क्षेत्र से भेजे एक फुटेज दिखाया गया है कि पीड़ितों के पास खाने के लिए कुछ नहीं हैं और बारिश भी हो रही है। उनके मकान नष्ट हो गए हैं। कृपया उनकी मदद करें, उन्हें अकेला नहीं छोड़िए। इस आपदा ने एक ऐसे देश के लिए और आफत बढ़ा दी है जहां लाखों लोग बढ़ती भुखमरी और गरीबी का सामना कर रहे हैं तथा अमेरिकी और नाटो सैनिकों की वापसी के बीच करीब 10 महीने पहले तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद से स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा गई है। देश से अहम संसाधन वापस ले जा चुके अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता समुदाय किस तरह से मदद कर सकेंगे और किस हद तक तालिबान सरकार उन्हें वहां रहने देगी, यह एक सवाल बना हुआ है। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के कब्जा कर लेने के बाद अहम अंतराष्ट्रीय वित्तीय सहायता रूक गई है। अफगानिस्तान में अब भी संचालित हो रहीं संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां और अन्य संगठनों ने कहा कि उन्होंने इलाके में मेडिकल किट, तंबू सहित अन्य आपूर्ति भेजी है। लेकिन जरूरत इससे कहीं अधिक है क्योंकि इलाके के सभी गांवों को भारी नुकसान पहुंचा है। संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी के प्रवक्ता पीटर केसलर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियां इस साल अफगानिस्तान के लिए तीन अरब डॉलर के धन की कमी का सामना कर रही हैं। अफगानिस्तान के सरकारी टेलीविजन ने एक समाचार बुलेटिन में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भूकंप में लोगों की मौत होने पर शोक जताया है और राहत सहायता देने का वादा किया है। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के एशिया मामलों के उपाध्यक्ष अदनान जुनैद ने कहा सर्वाधिक प्रभावित इलाके गरीब क्षेत्र हैं और अफगानिस्तान के दूरदराज के इलाके हैं जहां इस तरह की आपदा का मुकाबला करने वाले बुनियादी ढांचे का अभाव है।

आज का इतिहास 25 जून

1862 अमरीका ने लाइबेरिया की स्वतंत्रता को मान्यता दी.
1900 ब्रिटिश राजनेता लार्ड लुई माउंटबेटन का जन्म हुआ.
1932 भारत ने पहला क्रिकेट टेस्ट लाड्र्स मैदान पर खेला.
1942 ब्रिटिश वायुसेना ने जर्मनी पर हमला किया.
1950 कोरियाई युद्ध भड़का.
1966 वेटिकन और युगोस्लाविया के बीच राजनीतिक संबंध स्थापित हुए .
1983 भारत विश्व कप क्रिकेट चैम्पियन बना.
1987 सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचेव ने देश में व्यापक सुधारों का आह्वान किया.
1988 पेशावर के एक होटल में बम विस्फोट से 13 व्यक्ति मारे गए और अनेक लोग घायल हो गए.
1990 जांबिया में सरकार विरोधी दंगे भड़के.
1994 मुंबई के पूर्व अंडरवर्ल्ड डान हाजी मस्तान का निधन.
2001 जम्मू रेल्वे स्टेशन पर बम फटने से 43 घायल.

कोरोना टीकाकरण अभियान ने भारत में 2021 में बचाई 42 लाख लोगों की जिंदगी

लंदन (ईएमएस)। कोरोना वायरस टीकों से 2021 में भारत में 42 लाख से अधिक संभावित मौतों को रोकने में मदद मिली। दुनिया के प्रख्यात मेडिकल जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है, जबकि दुनिया भर में कोविड-19 के टीकाकरण से संभावित मौतों की संख्या को लगभग 2 करोड़ या करीब आधा कम करने में मदद मिली। बता दें कि इस अध्ययन में 185 देशों में कोरोना से हुई मौतों के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है। शोधकताओं ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम के पहले वर्ष में दुनिया भर में संभावित 31.4 मिलियन कोविड-19 मौतों में से 19.8 मिलियन को रोकने में मदद मिली। इस अध्ययन में कहा गया है कि अगर विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2021 के अंत तक हर देश में 40 प्रतिशत आबादी को दो या अधिक खुराक के साथ टीकाकरण करने का लक्ष्य पूरा किया गया होता तो और तकरीबन 6 लाख (5,99,300) लोगों की जान बचाई जा सकती थी। इस रिपोर्ट में 8 दिसंबर 2020 से 8 दिसंबर, 2021 के बीच अनुमानित मौतों की संख्या का अनुमान लगाया गया है। इस रिपोर्ट के प्रमुख लेखक ओलिवर वाटसन ने कहा कि भारत के लिए हमारा अनुमान है कि इस अवधि में टीकाकरण से 42 लाख से ज्यादा (42,10,000) मौतों को रोका गया। इस मॉडलिंग अध्ययन से पता चलता है कि भारत में टीकाकरण अभियान ने लाखों लोगों की जान बचाई है। यह टीकाकरण के फायदे को दिखाता है। बहरहाल यह अनुमान इस संख्या पर आधारित है कि महामारी के दौरान देश में करीब 51,60,000 (48,24,000 से 56,29,000) मौतें हुई होंगी, जबकि यह संख्या अब तक दर्ज की गई 5,24,941 मौतों के आधिकारिक आंकड़े का 10 गुना है।

चीन की एक चट्टान देती है तीस साल में अंडे

-चट्टान की ऊंचाई है करीब 19 फीट

बीजिंग (ईएमएस)। आजतक आपने मुर्गी और बत्तख को अंडे देते सुना होगा लेकिन चीन की ये चट्टान अंडे देती है। वो भी हर तीस साल में एक बार। ये चट्टान तीस साल तक अंडे को अपने अंदर रखकर सेती है। इसके बाद जब तीस साल हो जाते हैं तो अंडे अपने आप चट्टान से अलग हो जाते हैं। चट्टान की ऊंचाई करीब 19 फीट है और ये 65 फीट लंबा है। अंडे चट्टान के अंदर ही पैदा होते हैं और अपने आप तीस साल में बाहर गिर जाते हैं ।चीन के इस रहस्यमयी चट्टान को चन दन या के नाम से जाना जाता है। ये पूरी की पूरी चट्टान काले रंग की है। ऐसे में ये चट्टान जो अंडे देती है, वो भी काले रंग की है। चट्टान अंडे के शेप के होते हैं, जो बाहर से चिकने होते हैं। ये अपनेआप चट्टान की सतह से धीरे-धीरे बाहर की तरफ निकलने लगते हैं। इसे चट्टान पूरे तीस साल सेती है और जब ये पक जाते हैं तो अपने आप इसे बाहर गिरा भी देती है। वैज्ञानिक भी इस पूरे प्रॉसेस को समझने की लेकिन किसी को अभी तक सफलता नहीं मिली है ।चट्टान का नाम चन दन या है, जिसका हिंदी में मतलब होता है- अंडे देने वाला पत्थर। चट्टान से निकले अंडे को लोग खुशी का प्रतीक मानते हैं। इसी वजह से जैसे ही अंडे जमीन पर गिरते हैं लोग इन्हें लेकर भाग जाते हैं। ये अंडे काले और ठंडी सतह के होते हैं।

अंडे का ये रहस्य सुलझाने में वैज्ञानिक भी सालों से लगे हैं। भू वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये चट्टान करीब पांच सौ मिलियन साल पुराना है। इतने सालों से ये चट्टान हर तरह के तापमान को झेल रही है लेकिन एक ही चीज नहीं बदली। वो है चट्टान के अंडे देने की प्रवृति। मालूम हो कि दुनिया में ऐसी कई अनोखी चीजें होती हैं, जिसका जवाब किसी के पास नहीं है। ये चीजें प्रकृति करवाती है और लोग सिर्फ इसे देखकर हैरान ही हो कर रह जाते हैं। इन एक्शन्स के पीछे की वजह कोई नहीं जान पाता।

खारकीव में 500 किलो का एक बम एक इमारत में गिरने के बाद भी नहीं फटा। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 25 june 2022:Layout 1 6/24/2022 7:40 PM Page 5

सरकार कीमती गहनों के लिए ई-वे बिल कर सकती है अनिवार्य

- वित्त मंत्री की अगुआई में 28-29 जून को जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है विचार

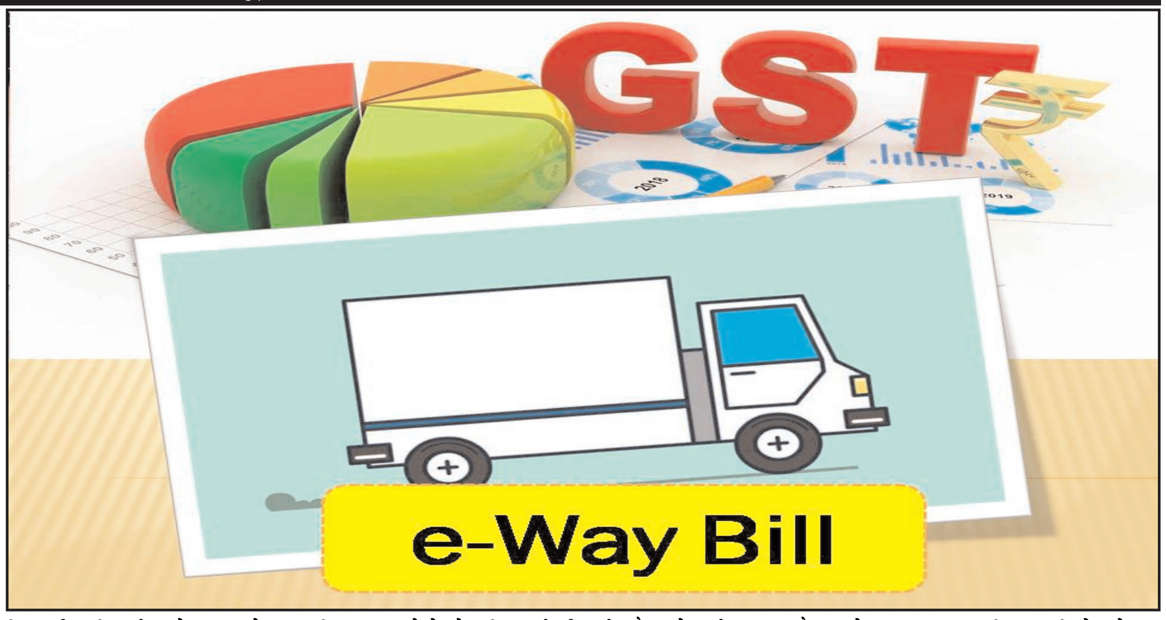

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुआई में 28-29 जून को जीएसटी काउंसिल की बैठक होने वाली है। इस बैठक में 2 लाख रुपए या उससे अधिक कीमत के सोने व अन्य रत्नों की एक राज्य के अंदर आवाजाही के लिए ई-वे बिल को अनिवार्य किए जाने पर विचार हो सकता है । इसके अलावा बी2बी लेनदेन के लिए अनिवार्य ई-इनवॉइसिंग के दायरे को भी बढ़ाया जा सकता है। जीएसटी काउंसिल इस बैठक में ई-वे बिल पर राज्यों के वित्त मंत्रियों के पैनल की रिपोर्ट पर विचार कर सकती है। पैनल ने ई-इनवॉइसिंग को अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। वित्त मंत्रियों के पैनल ने सुझाव दिया है कि सोने व कीमती रत्नों का व्यापार करने वाले सभी टैक्सपेयर और सालान 20 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर करने वाले सभी व्यापारियों के बी2बी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइसिंग को अनिवार्य किया जाना चाहिए। सुझाव में कहा गया है कि जीएसटी नेटवर्क ई-इनवॉइसिंग के कार्यान्वयन को लेकर तौर-तरीकों और समयसीमा तय करेगा। वर्तमान में 50 करोड़ से ज्यादा के टर्नओवर वाले कारोबारियों के बी2बी ट्रांजेक्शन पर ई-इनवॉइस अनिवार्य है। मंत्रियों के पैनल ने यह भी सुझाव दिया है कि राज्यों के भीतर सोने व रत्नों की आवाजाही के लिए ई-वे बिल की अनिवार्यता को तय करने का अधिकार राज्य सरकारों को ही मिलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि ई-वे बिल के लिए न्यूनतम 2 लाख रुपए के रत्न व सोने की आवाजाही होनी चाहिए। राज्य इससे अधिक या इतनी ही न्यूनतम रकम ई-वे बिल की अनिवार्यता के लिए तय कर सकते हैं। पैनल ने कहा है कि गैर-पंजीकृत लोगों से रजिस्टर्ड डीलर्स और ज्वेलर्स द्वारा खरीदे गए पुराने सोने पर रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत जीएसटी लगाने संबंधी जांच के लिए केंद्र और राज्यों को एक समिति गठित करनी चाहिए। बैठक में कई बदलावों पर चर्चा की संभावना है। जीएसटी काउंसिल ई-कॉमर्स सप्लायर्स के लिए नियमों को आसान कर सकती है। इसके अलावा काउंसिल कमियों को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का अधिकार भी दे सकती है। खबरों के अनुसार, सरकार बैठक में राष्ट्रीय मुनाफाखोरी रोधी प्राधिकरण (एनएए) और अब तक लंबित मामलों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

टीसीएस साल के आखिरी तक ला सकती है चिप-आधारित पासपोर्ट

- चिप आधारित पासपोर्ट के लिए टीसीएस सभी जरूरी तैयारी कर चुकी है

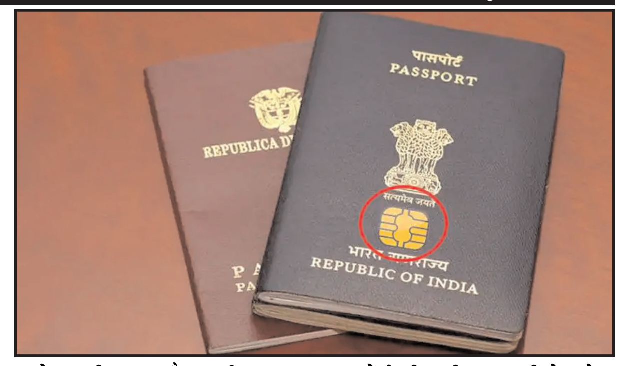

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) इस साल के आखिरी तक चिप बेस्टड ई-पासपोर्स लाने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस इस्के लिए सभी जरूरी तैयारी कर चुकी है। देश की ये दिग्गज आईटी कंपनी भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर एक नया कमांड और कंट्रोल सेंटर बनाने की तैयारी कर रही है। विदेश मंत्रालय ने टीसीएस के साथ 10 साल की पीएसकी डील को साल की शुरूआत में रिन्यू किया था।

इस डील की वैल्यू 6000 करोड़ रुपए है। इसे पासपोर्ट प्रोजक्ट का सेकंड फेज माना जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, यह पासपोर्ट प्रोजेक्ट टीसीएस के लिए काफी अहम है क्योंकि इसे कंपनी के लिए अब तक का सबसे बड़ा ई-गवर्नेंस प्रोग्राम माना जा रहा है। सामान्य तौर पर नया ई-पासपोर्ट और रेगुलर पासपोर्ट एक जैसा ही लगेगा लेकिन इसमें काफी अन्तर है। ड्राइविंग लाइसेंस जैसा लगने वाले इस नए पासपोर्ट में एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक चिप लगा होता है। इसमें सभी जरूरी जानकारियां जैसे नाम, जन्मतिथि, पता फीड होती हैं। इसकी मदद से आपकी यात्रा की जानकारी कम समय में और आसानी से मिल सकती है।

इसके अलावा ई-पासपोर्ट में एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) और एक एंटीना भी लगाया गया है। पासपोर्ट की सभी जानकारी डेटा पेज पर भी प्रिंटेड रहती है और चिप में भी स्टोर रहती है। इस नए ई-पासपोर्ट की वजह से फेक पासपोट्र्स का सकुर्लेशन कम होने की संभावना है। पासपोर्ट के साथ छेड़छाड़ यानी डेटा टैंपरिंग जैसी चीजें मुश्किल हो जाएंगी। घुसपैठियों पर भी रोक लगाई जा सकेगी। इलेक्ट्रोनिक चिप की वजह से सरकार पासपोर्ट के आइडेंटिटी वेरिफिकेशन लेवल को भी बढ़ा सकेगी।

बैंक यूनियनों की 27 जून को होने वाली हड़ताल टली

मुंबई (ईएमएस)। बैंक यूनियनों ने 27 जून सोमवार को अपनी मांगों को लेकर 27 जून को कामकाज ठप करने की योजना बनाई थी लेकिन इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) इन मांगों पर विचार करने के लिए तैयार है जिसके बाद हड़ताल को टाल दिया गया है। यूनियनों का कहना है कि वे अपनी मांगों पर बातचीत के लिए बैठेंगे और वार्ता के जरिए मामला सुलझाने पर ध्यान दिया जाएगा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीए) में 9 बैंकों के अलग-अलग यूनियन शामिल हैं जो हड़ताल करने वाले थे। हफ्ते में 5 दिन काम और पेंशन जैसी मांगों को लेकर हड़ताल बुलाई गई थी। बैंकों के कर्मचारी नेशनल पेंशन स्कीम को हटाकर ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल करना चाहते हैं। बातचीत के लिए आईबीए और बैंकिंग संगठनों के बीच एक समझौता हुआ है। समझौते के मुताबिक 1 जुलाई को बैंक संगठनों की अलग-अलग मांगों पर वार्ता होगी। इसकी जानकारी एआईबीईए के जनरल सेक्रेटरी सीएच वेंकटचलम ने दी और कहा कि मांगों को लेकर चीफ लेबर कमिश्नर की अध्यक्षता में वार्ता शुरू की जाएगी। बैंक संगठनों और यूनियनों ने सभी पेंशनर्स के पेंशन में बदलाव करने की मांग की है। बैंकों का संगठन नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में शामिल नहीं होना चाहता और ये ओल्ड पेंशन स्कीम में फिर से बहाल होना चाहते हैं। संगठनों की मांग है कि सभी बैंकिंग कर्मचारियों को पुराने पेंशन सिस्टम से पेंशन दी जाए और एनपीएस को खत्म कर दिया जाए। बैंकों में काम करने वाले कर्मचारी हफ्ते में 5 दिन काम और दो दिन की छुट्टी चाहते हैं। इस बात को लेकर भी पहले से विरोध चल रहा है।

सीबीआई ने रेवा स्केन्स के दिल्ली में पांच स्थानों पर तलाशी ली

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की एक पैकेजिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में शुक्रवार को दिल्ली में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी के खिलाफ बैंकों के संघ से कथित तौर पर 69.33 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। इसमें बैंक ने आरोप लगाया कि कंपनी के वित्त में गंभीर अनियमितताएं हैं मसलन धन की हेराफेरी, बहीखातों में गड़बड़ी और जालसाजी तथा ऐसा करके कंपनी ने 2011 से 2016 के बीच बैंकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने कंपनी के पूर्व निदेशकों से जुड़े दिल्ली स्थित परिसरों पर छापेमारी की।

आईआईएफएल फाइनेंस बांड के जरिये 5,000 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड निजी नियोजन के आधार पर बांड जारी कर 5,000 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। ।आईआईएफएल ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि बांड सार्वजनिक निर्गम के जरिये पेश किए जाएंगे। हालांकि, यह अभी नियामकीय और वैधानिक मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने कहा कि आईआईएफएल के निदेशक मंडल ने 23 जून, 2022 को हुई अपनी बैठक में गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के माध्यम से पूंजी जुटाने को मंजूरी दी। कंपनी एक या इससे अधिक चरणों में 5,000 करोड़ रुपए के बांड जारी करेगी। आईआईएफएल फाइनेंस दरअसल एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है, जो आवास ऋण, स्वर्ण ऋण और कारोबार के लिए कर्ज देती है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को 1 जुलाई से देना होगा एक फीसदी टीडीएस

- जो निवेशक क्रिप्टोकरेंसी को मुनाफे में नहीं भी बेचते हैं उन्हें भी टैक्स चुकाना होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। क्रिप्टोकरेंसी के निवेशकों को 1 जुलाई, 2022 से इसके हर लेनदेन पर एक फीसदी टीडीएस देना होगा चाहे वो मुनाफे में बेचा गया हो या नुकसान में। इसके बाद से क्रिप्टोकरेंसी में निवेश को लेकर उत्साह घटा है। टीडीएस लगने के बाद ये और घट सकता है। सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी को मान्यता नहीं दी है लेकिन इस वर्ष 2022-23 से क्रिप्टोकरेंसी को होने वाली इनकम पर 30 फीसदी टैपिटल गेन टैक्स लगाने का फैसला किया है। अब एक जुलाई से क्रिप्टो के लेनदेन पर 1 फीसदी टीडीएस का भी भुगतान करना होगा। जो निवेशक क्रिप्टोकरेंसी को मुनाफे में नहीं भी बेचते हैं उन्हें भी टैक्स चुकाना होगा। ऐसे क्रिप्टो में निवेश करने वाले निवेशकों को एक फीसदी टीडीएस का भुगतान करना होगा जिससे सरकार क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन करने वालों के ठौर ठिकानों का पता लगा सके। क्रिप्टो को लाभ में बेचने पर 30 प्रतिशत का टैक्स देना होगा। लाभ में नहीं बेचने पर भी एक प्रतिशत का टीडीएस देना होगा जिससे ये पता चलेगा कि कहां-कहां क्रिप्टो का लेनदेन हुआ है। क्रिप्टोकरेंसी पर एक फीसदी टीडीएस लगाए जाने का प्रावधान एक जुलाई 2022 से लागू होने जा रहा है। सरकार ने कहा है कि इनकम टैक्स 1961 की प्रस्तावित धारा 115बीबीएच के प्रावधानों के अनुसार, वीडीए (वर्चुअल डिजिटल एसेट्स) के हस्तांतरण से होने वाले नुकसान को दूसरे वीडीए के हस्तांतरण से उत्पन्न आय के खिलाफ सेट-ऑफ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उक्त धारा इनकम टैक्स एक्ट में एक नया प्रस्तावित खंड है जो क्रिप्टोकरेंसी जैसे वर्चुअल डिजिटल एसेट्स से होने वाले लाभ को परिभाषित करता है। सीबीडीटी ने कहा है कि अगर खरीदार ने आयकर अधिनियम की धारा 194एस के तहत टैक्स कटौती की है तो विक्रेता को उसी लेनदेन पर इसे काटने की जरूरत नहीं होगी। 194एस के तहत कटौती की गई किसी भी राशि का भुगतान केंद्र सरकार को उस महीने के आखिर तक 30 दिनों के भीतर करना होगा जिसमें कटौती की गई थी।

टाटा कंपनी की योजना मिनी एसयूवी लाने की

-दाम में किफायती, जबरदस्त लुक और फीचर्स से लैस होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देसी कार कंपनी टाटा मोटर्स ने बीते दिनों माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में टाटा पंच लाकर हंगामा मचाया है और अब कंपनी की योजना मिनी एसयूवी लाने की है। जी हां, टाटा मोटर्स अब मिनी एसयूवी सेगमेंट में टाटा हॉर्नबिल लाने वाली है, जो कि किफायती दाम में जबरदस्त लुक और फीचर्स से लैस होगी। आप भी देखें कि टाटा हॉर्नबिल के जरिये कंपनी क्या कुछ खास करने की तैयारी में है ?बीते लंबे समय से टाटा मोटर्स एचबीएक्स कान्सेप्ट पर बेस्ड एक सस्ती एसयूवी लाने की कोशिश में है। अब माना जा रहा है कि कंपनी हॉर्नबिल (संभावित नाम) नाम से मिनी एसयूवी ला सकती है, जिसका मुकाबला निसान मैग्नाइट और रेनो काइगर जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी के साथ ही मारुति सुजुकी और ह्यूंदै की हैचबैक से भी होगा। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक टाटा हॉर्नबिल में 1.2 लीटर 3 सिलिंडर नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ ही 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन लगा हो सकता है, जो क्रमशः 86बीएचपी और 110बीएचपी तक की पावर जेनरेट कर सकेगा। इस मिनी एसयूवी को 5 स्पीड मैनुअल और 5 स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ लॉन्च किया जा सकता है। टाटा हॉर्नबिल के संभावित लुक और फीचर्स की बात करें तो यह छोटी एसयूवी देखने में काफी पावरफुल होगी और इसके एक्सटीरियर के साथ ही इंटीरियर खूबियां दिल चुराने लायक हो सकती है। इसमें स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स की भरमार देखने को मिलेगी। आपको बता दें कि टाटा मोटर्स आने वाले समय में हैरियर और सफारी जैसी धांसू एसयूवी के पेट्रोल वेरिएंट्स भी लॉन्च करने वाली है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में भी कंपनी बहुत कुछ लाने वाली है। बता दें कि भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान एसयूवी खरीदने वालों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। खासकर माइक्रो एसयूवी और कॉम्पैक्ट एसयूवी की तो खूब बिक्री होती है।

ओएनजीसी विदेश ने कोलंबिया में तेल खोजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेश इकाई ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) ने कोलंबिया के एक ब्लॉक में तेल की खोज की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह खोज कोलंबिया में लानोस बेसिन के सीपीओ-5 ब्लॉक में हाल ही में खोदे गए कुएं यूराका-1एक्स में की गई थी। ओएनजीसी विदेश के अनुसार यूराका कुएं को 20 अप्रैल, 2022 को खोदा गया था। इसे 10,956 फुट की गहराई तक खोदा गया जिसके बाद 17 फीट मोटी तेल वाली रेत मिली। कंपनी ने बताया कि परीक्षण के दौरान क्षेत्र से प्रतिदिन 600 बैरल तेल निकाला गया।

27 जून को अपनी नई स्कॉर्पियो-एन से पर्दा उठाएगी महिंद्रा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय एसयूवी निमार्ता महिंद्रा जल्द ही अपनी सबसे ज्यादा पॉपुलर एसयूवी स्कॉर्पियो का नया अवतार लांच करने जा रही है। नई स्कॉर्पियो-एन से 27 जून को पर्दा उठेगा। नई स्कॉर्पियो में कई नए फीचर्स और बिल्कुल नया डिजाइन मिलने जा रहा है। अब ग्राहकों को इसके लांच होने का बेसब्री से इंतजार है। यहां आपको इसकी 5 ऐसी बातें बताने जा रहे है, जो इस एक बार फिर एसयूवी सेगमेंट में एक खास उत्पाद बनाएगी। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन पूरी तरह से नए सिरे से डिजाइन के साथ आएगी। बाहरी हिस्से में, इसमें प्रोजेक्टर हेडलैम्प्स के साथ पूरी तरह से नया फ्रंट और एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स, क्रोम गार्निश्ड वर्टिकल स्लेटेड फ्रंट ग्रिल मिल सकते हैं, जो हेडलैंप क्लस्टर के साथ पूरी तरह से मिश्रित है। फ्रंट बंपर को भी बड़े एयर इनटेक और फॉग लैंप हाउसिंग के चारों ओर सी-आकार के क्रोम ट्रिम के साथ अपडेट किया गया है। अन्य डिजाइन, नए डिजाइन किए गए स्पोर्टी एलॉय व्हील और एक ताजा रियर प्रोफा इल भी शामिल हैं। स्क्रीन के नीचे एसयूवी में वॉल्यूम, क्लाइमेट कंट्रोल और अन्य फंक्शन के लिए फिजिकल बटन मिलेगा। एसयूवी में अपग्रेडेड फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील होगा, जिसमें क्रूज कंट्रोल और अन्य फीचर्स जैसे माउंटेड कंट्रोल होगा। स्कॉर्पियो-एन एसयूवी के इंटीरियर में नए अपहोल्स्ट्री, ड्यूल-टोन थीम, 360-डिग्री कैमरा, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन का एड्रेनोएक्स-संचालित टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम एक प्रीमियम ऑडियो अनुभव के लिए 3डी सराउंड सिस्टम के साथ आएगा। नई स्कॉर्पियो के केबिन के अंदर एक बड़ा बदलाव दूसरी रो में बैठने की व्यवस्था है, जो आर्मरेस्ट के साथ कैप्टन सीटों के साथ आती है, जो आउटगोइंग मॉडल की पारंपरिक बेंच को हटाती है। बेहतर आराम सुनिश्चित करते हुए महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन के केबिन में ज्यादा स्पेस मिल सकता है।

ईवी कॉसमॉस फास्ट चार्जिंग टेक्नालॉजी पर कर रही फोकस

- दुनिया भर में चीन के पास 80 फीसदी से ज्यादा इलेक्ट्रिक चार्जर्स

नई दिल्ली(ईएमएस)। चार्जिंग सॉल्यूशन देने वाली कंपनी ईवी कॉस्मॉस के मार्केटिंग और स्ट्रैटजी डायरेक्टर अमिताभ पुरी का कहना है कि बेहतर डायरेक्ट करंट और फास्ट चार्जिंग टेक्नॉलजी से 20 मिनट तक चार्ज करने पर गाड़ी को 60 से 80 मील तक ड्राइव किया जा सकता है। 2020 में विश्व स्तर पर करीब 3 लाख 86 हजार फास्ट इलेक्ट्रिक वीइकल चार्जर्स (ईवीएसई) उपलब्ध थे। दुनियाभर में उपलब्ध ईवीएसई में से चीन के पास 80 फीसदी से ज्यादा इलेक्ट्रिक चार्जर्स हैं। 2016 और 2017 के दौरान सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हाई स्पीड ईवीएसई की संख्या काफी तेजी से बढ़ी है। किसी भी तरह के वर्किंग माहौल में तेजी से चार्ज करने वाले चार्जिंग स्टेशन को एकीकृत किया जा सकता है, जिससे ईवी चार्जिंग को किसी भी समाज के ताने-बाने में आसानी से एकीकृत किया जा सकता है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना और भी आसान बनता है। यह उल्लेखनीय रूप से ईवी चार्जिंग सेक्टर के लिए मानक को बढ़ा देता है। ईवी चार्जिंग फर्मों और संपूर्ण रूप से इंडस्ट्री के तौर पर यह विस्तार का सबसे अच्छा समय है। ईवी के ओईएम अपने उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट और परेशानी के इलेक्ट्रिक वाहन चलाने का अनुभव देने के लिए सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर को एकीकृत करने पर विचार कर रहे हैं। श्री पूरी का कहना है कि चार्जिंग टेक्नॉलजी में ही केवल ईवी टेक्नॉलजी की झलक है। चार्जिंग टेक्नोलॉजी का विकास हमेशा ईवी के ओईएम की ओर से अपनाई गई तकनीक पर आधारित होगा। इसलिए ईवी चार्जिंग मार्केट का विकास काफी हद तक इलेक्ट्रिक वीइकल को अपनाने पर निर्भर करता है। पिछले दो-तीन वर्षों में इलेक्ट्रिक वीइकल के मार्केट ने तेजी से सभी को अपनी ओर आकर्षित किया है तेजी से उन्नत होती तकनीक ने भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाने के लिए राह बना दी है। अब जब ईवी चार्जिंग फर्म और स्टेशन काफी तेजी से फैल रहे हैं। यह देखना काफी आसान है कि इस इंडस्ट्री ने पिछले दशक में कितनी प्रगति की है। सबसे पहले यह चार्जिंग तकनीक उस प्रोटोकॉल पर आधरित है, जो ईवी ओईएम बाजार में अपना रहे हैं।

दैनिक पंचांग

25 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.53 बजे से
चंद्र	मेष में	सिंह	09.09 बजे से
मंगल	मीन में	कन्या	11.21 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.32 बजे से
गुरु	मीन में	वृश्चिक	15.47 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	18.03 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.08 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.54 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.27 बजे से
राहुकाल		मेष	00.58 बजे से
9.00 से 10.30		वृष	02.38 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.36 बजे से

शनिवार 2022 वर्ष का 176 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण **तिथि** द्वादशी 01.10 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 10.24 बजे को समाप्त। **योग** धृति अहोरात्र। **करण** कौलव 12.09 बजे तदनन्तर तैतिल 01.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर $23^{0}24'$
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871290
जूलियन दिन 2459755.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्काद
तारीख 25
विशेष मासिक कार्तिगाई।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23	बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10	बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51	बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42	बजे तक
रोग	08.51 से	10.19	बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14	बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46	बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47	बजे तक
चर	11.46 से	01.14	बजे तक	चर	11.47 से	01.19	बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42	बजे तक	रोग	01.19 से	02.51	बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10	बजे तक	काल	02.51 से	04.23	बजे तक
काल	04.10 से	05.37	बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, आषाढ कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे तथा शुक्रोदय पूर्वे तिथि द्वादशी, शनिवासरे, भरनी नक्षत्रे, शुक्रयोगे, कौलव करणे, मेष की चंद्रमा, त्रिपुस्कर योग दो 1/30 उग्रकर्म मुर्हूत, वाहन क्रय विक्रय तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक धनीमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, कुशल व्यापारी, उद्यमी, प्रवासी, धनवान, कीर्ति वाला, प्रबल उद्योगपति एवं मानी होगा।

मेष राशि :- हर्ष, यात्रा, राजसुख, सफलता, हानि, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होगा।
वृष राशि :- विरोध, व्यय, कष्ट, अशांति, कार्यलाभ की स्थिति संतोषप्रद बनी ही रहेगी।
मिथुन राशि :- व्यापार में क्षति, यात्रा, विवाद, गृहकार्य, राजकार्य, व्यवसाय पर ध्यान दें।
कर्क राशि :- भूमि व राज-लाभ, वायु विकार का योग है, शरीर कष्ट होगा, ध्यान दें।
सिंह राशि :- वाहनादि का भय, कष्ट, राजसुख, यात्रा, शिक्षा की स्थिति में विकास होगा।
कन्या राशि :- व्यय, प्रवास, विरोध, भूमि-लाभ, उद्योग-व्यापार में अड़चने आयेंगी।
तुला राशि :- कार्यसिद्धी, लाभ, विरोध, प्रगति के साथ कुछ अच्छे कार्य भी होंगे, संतान से प्रसन्नता मिले।
वृश्चिक राशि :- रोगभय, मातृ-सुख, कष्ट, यात्रा, गृहकार्य व राजकार्य में रुकावट बनेगी।
धनु राशि :- लाभ, धर्म रुचि, हर्ष, यश, यात्रा कार्य में रुकावट बढ़ेगी, ध्यान दें।
मकर राशि :- विरोध, व्यापार में हानि, शरीर खर्च, धार्मिक खर्च बढ़ेंगे, कार्य में रुकावट होगी।
कुंभ राशि :- व्यय, प्रवास लाभ, प्रतिष्ठा, रोग, सामाजिक कार्यों में रुकावट की अनुभूमि होगी।
मीन राशि :- राजभय, यश, लाभ, मान, चोट-चपेट का भय, मित्रों व पारिवारिक लोगों से परेशानी होगी।

रणजी ट्रॉफी फाइनलः सरफराज खान ने दिवंगत सिद्धू मूसेवाला के 'थप्पी' स्टेप का किया अनुकरण

बेंगलुरू, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी के फाइनल के दूसरे दिन शानदार शतक लगाने के बाद, मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान ने दिवंगत पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला को श्रद्धांजलि देते हुए उनके 'थप्पी' सिग्नेचर स्टेप का अनुकरण किया। गुरुवार को बेंगलुरु में मध्य प्रदेश के खिलाफ सरफराज ने 134 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत मुंबई ने अपनी पहली पारी में 374 रन बनाए। सरफराज ने शतक लगाने के तुरंत बाद मूसेवाला की तरह आसमान में अपनी उंगली उठाते हुए देखा गया। पंजाब के मनसा जिले के जवाहरके गांव में 29 मई को मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह घटना पंजाब पुलिस द्वारा 424 अन्य लोगों की सुरक्षा वापस लेने के एक दिन बाद हुई थी। सरफराज इसके बाद अपने शतक का जश्न मनाते हुए भावुक भी हो गए और उन्होंने अपनी उपलब्धि अपने पिता को समर्पित कर दी। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार सरफराज ने कहा, " अगर मेरे पिता नहीं होते, तो मैं यहां नहीं होता। जब हमारे पास कुछ नहीं था, तो मैं अपने पिता के साथ ट्रेनों में यात्रा करता था।

जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो मैं रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए शतक बनाने का सपना देखा था और आज वह पूरा हो गया।" मैच की बात करें तो इस मुकाबले में दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर मध्य प्रदेश ने 1 विकेट पर 123 रन बना लिए हैं और पहली पारी के आधार पर मुंबई से 251 रन पीछे है। मुंबई ने दूसरे दिन 5 विकेट पर 248 रन से आगे खेलना शुरू किया, जिसमें सरफराज 40 रन पर नाबाद थे और शम्स मुलानी 12 रन बनाकर खेल रहे थे। मुंबई ने दिन की दूसरी गेंद पर मुलानी को खो दिया। इसके बाद सरफराज ने पारी संभाली और सीजन का चौथा शतक बनाकर घरेलू टूर्नामेंट में अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखा।

युवा पुजारा से सीखें वापसी का तरीका : कैफ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर मो कैफ ने टेस्ट बल्लेबाज चैतेश्वर पुजारा की जमकर तारीफ की है। कैफ ने कहा है कि युवाओं को पुजारा से सीख लेनी चाहिये कि किस प्रकार टीम में वापसी की जाती है। पुजारा को खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर भी किया गया था पर इसके बाद उन्होंने कड़ी मेहनत कर टीम में जगह बनायी है। कैफ के अनुसार कड़ी मेहनत और राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद किये गये प्रयासस उनसे सीखने वाली चीजें हैं। उनका यह भी मानना है कि इस अनुभवी बल्लेबाज को जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में तीसरे नंबर पर उतारा जाएगा। कैफ ने युवा खिलाड़ियों से कहा, आप पुजारा से बहुत कुछ सीख सकते हैं। अगर आप बाहर हो जाते हैं तो बल्लेबाज के तौर पर आपको क्या करना होगा? यह उनसे सीखें। पुजारा काउंटी वापस जाते हैं, रणजी में जमकर रन बनाने हैं और अपना दावा पेश करते हैं। इस प्रकार वह किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक उदाहरण है जिसे बाहर कर दिया गया है कि कैसे वापसी करनी है। शायद आपको वापस जाना चाहिए और देखना चाहिए कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में क्या किया है। वह भारत के लिए भी शानदार खिलाड़ी रहे हैं। मुझे लगता है कि वह भारत के लिए नंबर 3 पर खेलेंगे। इससे पहले पुजारा को खराब प्रदर्शन के कारण जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद वह अपनी घरेलू टीम सौराष्ट्र में फिर से शामिल हुए और उन्होंने रणजी ट्रॉफी 2022 के तीन मैचों में दो अर्द्धशतक बनाए। वहीं आईपीएल नीलामी में नाकाम रहने के बाद वह फिर काउंटी क्रिकेट चले गये थे।

भारत के खिलाफ सफेद गेंद श्रृंखला में हिस्सा नहीं लेगें आदिल राशिद

नई दिल्ली, (हि.स.)। इंग्लैंड के स्टार स्पिनर आदिल राशिद हज यात्रा के लिए मक्का जाने के कारण भारत के खिलाफ सफेद गेंद श्रृंखला में हिस्सा नहीं लेगें। इंग्लैंडऔर भारत के बीच एक जुलाई से पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला का आखिरी मैच खेला जाएगा, जो पिछले साल कोविड के कारण स्थगित कर दिया गया था। इस्के बाद दोनों टीमों के बीच 7 से 17 जुलाई तक सीमित ओवरों के मैच खेले जाएंगे। राशिद यॉर्कशायर के टी20 ब्लास्ट अभियान के बाद के चरणों में भी नहीं खेल पाएंगे और उन्हें ईसीबी और यॉर्कशायर द्वारा छुट्टी दे दी गई है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार राशिद ने कहा, "मैं हज यात्रा पर जाना चाहता था, लेकिन मैंने इसे समय के साथ बहुत मुश्किल पाया। इस साल, मुझे लगा कि यह कुछ ऐसा है जो मुझे करना था, और कुछ ऐसा जो मैं भी करना चाहता था।" उन्होंने आगे कहा, "मैंने इसके बारे में ईसीबी और यॉर्कशायर से बात की और वे बहुत समझदार और उत्साहजनक थे।" बता दें कि सभी वयस्क मुसलमानों से अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार हज यात्रा करने की अपेक्षा की जाती है यदि वे शारीरिक रूप से सक्षम हैं और ऐसा करने के लिए आर्थिक रूप से सुदृढ हैं। उन्होंने कहा, "यह एक बड़ा क्षण हैः प्रत्येक धर्म की अपनी अलग चीज होती है लेकिन इस्लाम के लिए और एक मुसलमान होने के नाते, यह हर चीजों से बड़ी है। यह मेरे विश्वास और मेरे लिए एक बड़ी बात है। मुझे पता था कि मुझे इसे तब तक करने की जरूरत है जब तक मैं युवा और मजबूत और स्वस्थ हूं। यह ऐसा कुछ है जिसे मैंने वास्तव में अपने लिए प्रतिबद्ध किया है कि मैं करूँगा।" लेग स्पिनर शनिवार को हज यात्रा के लिए उड़ान भरेंगे। उनके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड की सफेद गेंद श्रृंखला से पहले जुलाई के मध्य में लौटने की उम्मीद है।

केंद्र और राज्य टीम इंडिया की भावना से रणनीति बनाएंगे तो खेल आगे बढ़ेगा : अनुराग ठाकुर

केवड़िया, (हि.स.)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि खेल और खिलाड़ी तभी प्रगति करेंगे, जब राज्य और केंद्र रणनीति और बुनियादी ढांचे का निर्माण करें और 'टीम इंडिया' की भावना के साथ कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित करें। वह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के लिए गुजरात के केवड़िया में थे। ठाकुर ने यहां मीडिया से कहा, "अगर राज्य और केंद्र टीम इंडिया की भावना के साथ नीतियां, बुनियादी ढांचा, आयोजन, प्रतियोगिताएं, खेलकूद और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका देंगे तभी खेल और खिलाड़ी दोनों प्रगति करेंगे। इसलिए क्षेत्रीय के बजाय राष्ट्रव्यापी सोच को अपनाया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा, "खेल संगठनों में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने पर काम किया जाएगा। साथ ही, हम इस बात पर भी काम करेंगे कि भविष्य में अदालती मामलों को कैसे कम किया जा सकता है और खेलों के लिए अधिक समय और पैसा लगाया जा सकता है।" सम्मेलन में चर्चा किए जाने वाले मुद्दों के बारे में, ठाकुर ने कहा कि भविष्य में संभावित खेलो इंडिया कार्यक्रमों जैसे खेलो इंडिया यूथ गेम्स और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, "खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। प्रतिभाओं की खोज होगी और खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का भी मौका मिलेगा।"

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रॉड ने मंगेतर मॉली के साथ साझा की तस्वीर

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड पापा बनने वाले हैं। ब्रॉड ने अपनी मंगेतर रेडियो 1 प्रजेंटर मॉली किंग के साथ एक तस्वीर साझा की है। इसमें मॉली बेबी बंप के साथ नजर आ रही हैं जबक ब्रॉड घुटनों पर बैठे मॉली के बेबी बंप को किस कर रहे हैं। ब्रॉड ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा कर कहा, ' मॉली और मैं इस साल के अंत तक अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। हमारे लिए आने वाला समय रोमांचक है।' ब्रॉड और मॉली किंग ने साल 2021 की शुरूआत में सगाई की थी। ब्रॉड और मॉली की पहली मुलाकात मार्च 2018 में हुई थी हालांकि इसके कुछ महीनों बाद इन दोनो के अलग होने की खबरें आई थीं। साल 2007 में इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में डेब्यू करने वाले स्टुअर्ट ब्रॉड ने 154 टेस्ट मैचों में 546 विकेट लिए थे। वहीं 121 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैचों में ब्रॉड ने कुल 178 विकेट लिए हैं। इसके अलावा 56 टी20 मैचों में उनके नाम 65 विकेट हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पाक ने यासिर को शामिल किया

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लेग स्पिनर यासिर शाह को शामिल किया है। यासिर एक साल के बाद टीम में वापसी करेंगे। वह पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के बाद से अपनी फिटनेस के लिए संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने सात साल पहले श्रीलंका में में हुई टेस्ट सीरीज में 24 विकेट लेकर पाक टीम को जीत दिलायी थी।

यासिर को 18 सदस्यीय टीम में आफ स्पिनर साजिद खान की जगह शामिल किया गया है। शाह ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज में खेला था पर पाक टीम को 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था। शाह के अलावा ऑलराउंडर सलमान अली आगा और बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को भी टीम में जगह मिली है। पाक और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट गॉल में 16 से 20 जुलाई तक होगा जबकि दूसरा टेस्ट कोलंबो में 24 से 28 जुलाई तक खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम छह जुलाई को इस दौरे के लिए श्रीलंका रवाना होगी और वहां 11 से 13 जुलाई तक तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

पाक टीम इस प्रकार हैः बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवद आलम, हारिस राउफ, हसन अली, इमाम उल हक, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नौमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सौद शकील, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और यासिर शाह।

एटीके मोहन बागान ने ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर ब्रेंडन हैमिल के साथ किया करार

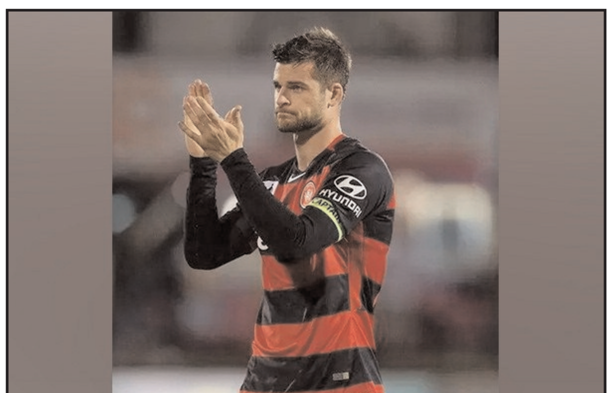

कोलकाता, (हि.स.)। एटीके मोहन बागान ने आगामी इंडियन सुपर फुटबॉल लीग (आईएसएल) 2022-23 सीजन से पहले ऑस्ट्रेलियाई ए-लीग स्टार डिफेंडर ब्रेंडन हैमिल के साथ करार किया है। सिडनी में जन्मे, 29 वर्षीय डिफेंडर हैमिल ने ऑस्ट्रेलिया में युवा अकादमियों और लोअर डिवीजन क्लबों में खेलकर अपने करियर की शुरूआत की और 2010 में मेलबर्न हार्ट एफसी (अब मेलबर्न सिटी एफसी के रूप में पुनः ब्रांडेड) में अपना पेशेवर डेब्यू किया। मेलबर्न सिटी एफसी में दो साल रहने के बाद, हैमिल 2012 में दक्षिण कोरिया के शीर्ष डिवीजन फुटबॉल लीग के नंबर एक क्लब सेओंगनाम एफसी में चले गए। वह क्लब के लिए दो साल तक खेले लेकिन वहां वांछित परिणाम नहीं मिल सका। इसके बाद वह वापस ऑस्ट्रेलिया लौटे और 2014 में ए-लीग क्लब वेस्टर्न सिडनी वांडरर्स के साथ करार किया। जहां वह बाद में पश्चिमी सिडनी वांडरर्स क्लब क्लब के कप्तान भी बने। वह इस क्लब में पांच साल रहे और 79 मैचों में 4 गोल किए। एटीके मोहन बागान के मुख्य कोच जुआन फेरांडो ने एक बयान में कहा, "हैमिल एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो खेल के निर्माण में मदद करते हैं और जो अपने अनुभव का उपयोग करके मुश्किल रक्षात्मक क्षणों में टीम की मदद करते है। वह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित होंगे।" 2019 में, हैमिल वेस्टर्न यूनाइटेड एफसी नामक ए-लीग क्लब में शामिल हुए। यहां वह क्लब के लिए दो साल में 20 मैच खेले। इसके बाद, वह दो साल के सौदे पर 2021 में मेलबर्न विक्ट्री क्लब गए, जहां उन्होंने 18 मैचों में 3 गोल किए। उन्होंने अंडर-17, अंडर-20 और अंडर-23 स्तर पर ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय टीमों का भी प्रतिनिधित्व किया और कुल मिलाकर 30 मैचों में भाग लिया। हैमिल ने सीनियर टीम के लिए एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग मैचों में भी भाग लिया। 29 वर्षीय हैमिल ने अपने पूरे करियर में कई बड़ी ट्राफियां जीती हैं, उन्होंने 2014 में वेस्टर्न सिडनी वांडरर्स के साथ प्रतिष्ठित एएफसी चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीती है, और साथ ही, उन्होंने हाल ही में 2021 में मेलबर्न विक्ट्री के साथ एफएफए कप जीता है।

बटलर एकदिवसीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के जोस बटलर एकदिवसीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले विकेटकीपर बन गये हैं। इससे पहले यह रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के नाम था। बटलर ने नीदरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में कुल 19 छक्के लगाकर धोनी को पीछे छोड़ दिया। वहीं इससे पहले धोनी ने साल 2005 में श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में कुल 17 छक्के लगाए थे। सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में तीसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं। डिविलियर्स ने वर्ष 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 16 छक्के लगाए थे। चौथे नंबर पर भी बटलर ही हैं। बटलर ने साल 2019 में एकदिवसीय सीरीज में 14 छक्के लगाए थे। बटलर ने इस सीरीज में 185 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से कुल 248 रन बनाए थे। बटलर ने नीदरलैंड के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में कुल 19 छक्के और 14 चौके लगाए हैं। इसी कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी मिला। इस क्रिकेटर ने अबतक 88 मैचों में 142 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से कुल 2140 रन बनाए हैं।

फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरूष टीम को दो और महिला टीम को तीन स्थान का फायदा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम फीफा की ओर से जारी ताजा विश्व रैंकिंग में दो स्थान के फायदे के साथ 106वें स्थान से 104वें स्थान पर पहुंच गई है। भारतीय महिला सीनियर राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को भी तीन स्थान का फायदा हुआ और टीम 59वें स्थान से 56वें स्थान पर आ गई। भारतीय पुरूष फुटबॉल टीम ने एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में अजेय रहते हुए अफगानिस्तान, कंबोडिया और हांगकांग के खिलाफ जीत दर्ज की और ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय टीम रैंकिंग में अब न्यूजीलैंड (103वें) से ठीक नीचे है, जिन्होंने हाल ही में कोस्टा रिका से अपना विश्व कप क्वालीफिकेशन स्थान गंवा दिया था। हालाँकि, भारत एएफसी रैंकिंग में अपने 19वें स्थान पर बरकरार है। रैंकिंग में ईरान पहले स्थान पर है। दूसरी ओर, भारतीय महिला टीम ने इस साल की शुरूआत में अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मिस्त्र और जॉर्डन को 1-0 से हराया था।

फिलीपींस में एफआईवीबी वॉलीबाल नेशंस लीग में खेलते हुए खिलाड़ी।

(फोटो-ईएमएस)

अल्टीमेट खो-खो लीग में अपनी टीम उतरेगी ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर (ईएमएस)। ओडिशा सरकार अब शीघ्र ही अल्टीमेट खो-खो लीग (यूकेके) में फ्रेंचाइजी टीम से जुड़ेगी। ओडिशा खेल विकास एवं संवर्धन कंपनी (ओएसडीपीसी) के स्वामित्व वाली यह टीम आगामी खो-खो लीग में पांचवीं टीम होगी। अभी लीग में चेन्नई, गुजरात, राजस्थान और तेलंगाना की चार फ्रेंचाइजी टीमें खेल रही हैं। यह दूसरी बार होगा जब राज्य सरकार किसी फ्रेंचाइजी आधारित लीग से जुड़ रही है। इससे पहले वह हॉकी इंडिया लीग की एक फ्रेंचाइजी कलिंग लांसर्स की सहमालिक थी। खो-खो के इस टूर्नामेंट में दुनिया भर के खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

पंड्या, सूर्यकुमार और उमरान आयरलैंड के लिए रवाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। कप्तान हार्दिक पंड्या, बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक आयरलैंड दौरे पर रवाना हो गये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर दो तस्वीरें साझा की हैं। इसमें पहली तस्वीर में वह वह अकेले ही विमान के अंदर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान सूर्यकुमार फिट नजर आ रहे हैं। सूर्यकुमार ने जो दूसरी तस्वीर साझा की है उसमें वह तेज गेंदबाज आवेश खान, उमरान मलिक और वेंकटेश अय्यर के साथ बैठे दिख रहे हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने एकसाथ तस्वीर खिंचवाई है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई 5 मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ियों को तीन दिनों के लिए आराम दिया था। सभी खिलाड़ियों को 24 जून को आयरलैंड के लिए रवाना होना था पर युजवेंद्र चहल और ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ सहित कुछ खिलाड़ी पहले ही आयरलैंड रवाना हो गये थे। आयरलैंड के इस दौरे पर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की भी लंबे समय बाद टीम में वापसी हुई है। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 28 जून को खेला जाएगा। इस दौरे पर बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी को पहली बार टीम इंडिया में अवसर मिला है। राहुल ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था।

अग्निपथ योजना पर बवाल के बीच वायुसेना में भर्ती प्रक्रिया हुई शुरू

नई दिल्ली (ईएमएस)। सेना में भर्ती प्रक्रिया को लेकर लाई गई योजना अग्निपथ पर बवाल के बीच वायुसेना में आज से चयन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। भारतीय वायुसेना की तरफ से पहले ही बताया गया था कि 24 जून से भर्ती प्रक्रिया की शुरूआत की जाएगी। युवा अग्निपथ के तहत आज से अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। ये पूरा प्रोसेस 5 जुलाई तक चलेगा। इसके बाद ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जाएगी और फिर चयनित उम्मीदवारों को अग्निवीर के तौर पर वायुसेना में काम करने का मौका मिलेगा। भारतीय वायुसेना के मुताबिक अग्निपथ योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करने वालों का 24 जुलाई से 31 जुलाई तक ऑनलाइन एग्जाम होगा। इसके बाद 21 अगस्त से 28 अगस्त तक फिजिकल फिटनेस टेस्ट होगा। 29 अगस्त से 8 नवंबर तक मेडिकल एग्जामिनेशन होगा। जो भी उम्मीदवार इन सभी परीक्षाओं को पास करते हैं उनके नाम की लिस्ट 1 दिसंबर 2022 को जारी कर दी जाएगी। साथ ही 30 दिसंबर से उनकी ट्रेनिंग भी शुरू हो जाएगी। बता दें कि कोरोना के चलते पिछले दो सालों से तीनों सेनाओं में भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई थी। जिसके बाद सरकार और सेना की तरफ से अग्निपथ योजना लॉन्च की गई। इस योजना के तहत भर्ती होने वाले 75 फीसदी जवानों को चार साल बाद रिटायर होना पड़ेगा। महज चार साल के लिए सेना में चयन को लेकर पूरे देशभर में इस योजना का विरोध हो रहा है। तमाम राज्यों में छात्र इस योजना का विरोध कर रहे हैं। साथ ही सियासी दल भी लगातार सरकार की योजना का विरोध कर रहे हैं। हालांकि सेना की तरफ से साफ कर दिया गया है कि योजना वापस नहीं ली जाएगी और इसी के तहत आगे भर्तियां होंगीं।

उद्धव ठाकरे सरकार ने 48 घंटे में लिए 160 निर्णय, राज्यपाल से हस्तक्षेप करने की मांग

मुंबई, (हि.स.)। विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष प्रवीण दरेकर ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र में राजनीतिक अस्थिरता के दौर में उद्धव ठाकरे सरकार ने पिछले 48 घंटे में 160 निर्णय लिए हैं। उन्होंने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र लिखकर पिछले 48 घंटे में लिए गए सभी निर्णयों में हस्तक्षेप करने की मांग की है। प्रवीण दरेकर ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि राज्य में शिवसेना के अधिकांश विधायकों ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में अविश्वास जताते हुए बगावत कर दी है। इस बीच महाविकास आघाड़ी के मंत्रियों ने अंधाधुंध काम करते हुए पिछले 48 घंटे में 160 निर्णय लिए हैं। इसीलिए उन्होंने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र लिखकर पिछले 48 घंटे में लिए गए सभी निर्णयों में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बहुमत खो चुकी है और उसे एक क्षण भी सत्ता में रहने का अधिकार नहीं बचा है। इसके बावजूद सरकार इस्तीफा देने के बजाय राज्य सरकार की तिजोरी खाली करने का प्रयास कर रही है।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने शिंदे समूह के प्रस्ताव को किया अमान्य

मुंबई, (हि. स.)। महाराष्ट्र विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झिजवल ने शुक्रवार को शिवसेना के शिंदे समूह के प्रस्ताव को अमान्य कर दिया। इस प्रस्ताव में बागी नेता एकनाथ शिंदे ने खुद को शिवसेना का विधायक दल का नेता और भरत गोगावले को चीफ व्हिप के रूप में मान्यता देने की मांग की थी। झिजवल ने शिवसेना विधायक अजय चौधरी को विधायक दल के नेता तथा सुनील प्रभु को चीफ व्हिप के रूप में मान्यता दी है। इसी बीच शिवसेना ने आज फिर शिंदे समूह के और पांच विधायकों पर कार्रवाई करने के लिए याचिका दाखिल की है। इस तरह शिवसेना अब तक शिंदे समूह के 17 विधायकों पर कार्रवाई की मांग कर चुकी है। नरहरि झिजवल ने शिवसेना की ओर से दाखिल 17 विधायकों पर कार्रवाई करने संबंधी याचिका की सुनवाई का आदेश विधानमंडल सचिव को भेज दिया है। इसके तहत इन सभी 17 विधायकों की सुनवाई आनलाइन माध्यम से की जाएगी। उल्लेखनीय है कि शिवसेना सांसद अरविंद सावंत ने गुरुवार को विधानसभा उपाध्यक्ष के पास बागी विधायक एकनाथ शिंदे सहित 12 विधायकों पर कार्रवाई करने की याचिका दी थी। इसके बाद एकनाथ शिंदे ने 37 शिवसेना विधायकों के समर्थन के पत्र के आधार पर उन्हें शिवसेना विधायक दल का नेता तथा विधायक भरत गोगावले को चीफ व्हिप के रूप में मान्यता देने की मांग की थी। झिजवल ने दो दिन पहले ही अजय चौधरी को शिवसेना विधायक दल का नेता तथा सुनील प्रभु को चीफ व्हिप के रूप में अनुमति दी थी।

पंजाब में नहीं चलेंगी फैंसी नंबर वाली गाड़ियां, सरकार ने दिया इन्हें तुरंत ब्लॉक करने का आदेश

चंडीगढ़ (ईएमएस)। ट्रांसपोर्ट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने पंजाब में नए आदेश लागू किए हैं। राज्य में रजिस्ट्रेशन मार्क स्टेट कोड पीबी और अन्य ऐसे वाहनों के चालान और जब्त करने आदेश दिए हैं। यह आदेश 12.6.1989 के बाद रजिस्ट्रेशन अथारिटी के पास रजिस्टर्ड. करवाए गए सभी वाहनों पर लागू होगा। पंजाब सरकार द्वारा एक्ट की उल्लंघना करते हुए इन फैंसी, अनधिकृत नंबरों को सार्वजनिक नोटिस दिनांक 30-12-2020 द्वारा अवैध घोषित करके रद्द कर दिया गया है। साथ ही पंजाब ट्रांसपोर्ट विभाग ने 'वाहन' वेबसाइट पर इन फैंसी नंबरों को तुरंत ब्लॉक करने के आदेश जारी किए हैं। नए आदेशों के अनुसार अब फैंसी नंबरों प्लेट वाली गाड़ियां नहीं चलेंगी। पुराने फैंसी नंबरों पर एक्शन होगा। पंजाब राज्य में सी।एम। भगवंत मान द्वारा लिए गए उक्त फैसले की जानकारी देते हुए ट्रांसपोर्ट मंत्री लालजीत भुल्लर ने बताया कि जिन वाहन चालकों द्वारा पुराने फैंसी नंबर लगाए हुए थे वह पजाब वाहनों 1989 के नियम 42 के मुद्दे पर पंजाब सरकार द्वारा पुरानी फैंसी नंबर प्लेट जारी की गई थी। ट्रांसपोर्ट मंत्री ने राज्य के सभी आर।टी।ए। को हिदायत की है कि वह विशेष नाके लगा कर ऐसे सभी वाहनों को चालान काटे और जो नियमों की उल्लंघना कर रहे हैं उनके वाहन जब्त किए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर याचिका, सुनवाई 29 जून को

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट पर कांग्रेस नेता जया ठाकुर की याचिका पर 29 जून को सुनवाई करेगा। याचिका में सरकार गिराने के लिए इस्तीफा देने वाले विधायकों के 5 साल तक चुनाव लड़ने से रोकने की मांग की है। अर्जी मे सियासी संकट का हवाला देते हुए तुरंत दखल देने की मांग की गई है। जया ठाकुर ने इस अर्जी में कहा है कि 2021 में उन्होंने याचिका दाखिल की थी कि कैसे दलबदल विरोधी कानून को धता बता कर सरकार गिराई जा रही है। विधानसभा से त्यागपत्र देने वाले विधायक नई सरकार में मंत्री बन जाते हैं। तब सुप्रीम कोर्ट से नोटिस जारी होने के बावजूद अभी तक केंद्र सरकार का जवाब नहीं आया है। 2021 में दायर जया ठाकुर की याचिका में मांग की गई है कि संविधान की धारा 191(1)(ई) और दसवीं अनुसूची को लागू किया जाए । याचिका में कहा गया है कि अयोग्य ठहराये गए विधायकों को तब तक उपचुनाव लड़ने से रोका जाए जब तक उस विधानसभा का कार्यकाल है जिसके लिए वह चुना गया था। याचिका में कहा गया है कि देशभर की राजनीतिक घटनाओं ने दसवीं अनुसूची को बेमानी बना दिया है। सत्ताधारी दल के विधायक इस्तीफा देते हैं और बाद में दूसरे दल की सरकार बनाने में सहयोग करते हैं। उन विधायकों को नई सरकार में मंत्री पद भी दिया जाता है और दोबारा उपचुनाव लड़ने के लिए टिकट भी दिए जाते हैं।

सेना के जवान अब बिना हथियारों के भी दुश्मन पर करेंगे घातक वार

नई दिल्ली। गलवान घाटी की हिंसा के दो साल बाद पूर्वी लद्दाख में इन दिनों भारतीय सेना एक खास एक्सरसाइज कर रही है. 'समघट' नाम की ये एक्सरसाइज बिना हथियारों के की जा रही है. भारत की चार मार्शल-आर्ट्स को मिलाकर इस अनआर्म्ड कॉम्बेट एक्सरसाइज को भारतीय सैनिक कर रहे हैं. यहां मार्शल आर्ट और बिना हथियार के लड़ने की कला सिखाई जा रही है. भारतीय सेना की उधमपुर (जम्मू कश्मीर) स्थित उत्तरी कमान के कमांडर, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्वी लद्दाख के दौरे के दौरान समघट युद्धाभ्यास में भारतीय सैनिकों की अनआर्म्ड कॉम्बेट का जायजा लिया. इस एक्सरसाइज में सैनिक बिना किसी बंदूक, बम-गोले या फिर किसी दूसरे तरह के हथियार के दुश्मन से लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. किस तरह कूंगफु कराटे से बचाव से लेकर मुकाबला करना इस युद्धाभ्यास में भारतीय सैनिक सीख रहे हैं. ट्रैनिंग में उन्हें दुश्मन के खिलाफ उग्र बर्ताव अपनाने की कला सिखाई जा रही है. बुधवार को ही पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय सेना की अक्साई-चिन ब्रिगेड के सैनिक ऑल-टेरेन व्हीकल यानि एटीवी में सवार होते हुए दिखाई पड़े. इस दौरान हाई ऑल्टिट्यूड यानि बेहद उंचाई और उबड़ खाबड़ इलाकों में इनपर सवार होकर सैनिकों ने इन एटीवी की परफॉर्मेंस को तो परखा ही साथ ही सेना के मूवमेंट की भी समीक्षा की. पूर्वी लद्दाख के दौरे पर गए लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने 1962 के युद्ध में परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट कर्नल थनसिंह थापा की पोर्टर का काम करने वाली 82 वर्षीय एक स्थानीय महिला, तेस्तेन नमग्याल को सम्मानित किया. धनसिंह थापा के नाम से ही पैंगोंग-त्सो झील के उत्तर में स्थित फिंगर एरिया में भारतीय सेना की आखिरी फॉरवर्ड पोस्ट है. इसी फिंगर एरिया में भी वर्ष 2020 में भारतीय सेना की चीनी सैनिकों से झड़प हुई थी.

महाविकास आघाड़ी सरकार कार्यकाल पूरा करेगी: संजय राऊत

मुंबई, (हि. स.)। शिवसेना प्रवक्ता और सांसद संजय राऊत ने शुक्रवार को कहा कि महाविकास आघाड़ी सरकार पूरी तरह मजबूत है। वह अपना कार्यकाल पूरा करेगी। अब लड़ाई सड़क, विधानसभा और कोर्ट में मजबूती के साथ लड़ी जाएगी। मुंबई स्थित यशवंतराव प्रतिष्ठान में शुक्रवार को गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटिल, उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, संजय राऊत तथा महाविकास आघाड़ी के अन्य नेताओं की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक के बाद राऊत ने पत्रकारों से कहा कि कुछ लोग राज्य से बाहर गलत कदम उठा रहे हैं। हमने इनको वापस आने का आमंत्रण दिया। लेकिन यह लोग नहीं लौटे। इसलिए अब महाविकास आघाड़ी सरकार कठोर कदम उठाने के लिए तैयार हो गई है। आज बैठक में दिलीप वलसे पाटिल उपस्थित थे, वे विधानसभा के अध्यक्ष रह चुके हैं और उन्हें कानून का ज्ञान है। उन्होंने गुवाहाटी गए विधायकों को चुनौती देते हुए कहा कि वे मुंबई लौटें। महाविकास आघाड़ी सरकार हर तरह से लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। हार नहीं मानेंगे। हर लड़ाई जीतेंगे।

आईटीआर रेंज से दागी गई नौसेना वर्जन की वर्टिकली लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत ने ओडिशा तट पर चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से शुक्रवार को वर्टिकली लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (वीएल-एसआरएसएएम) का सफल परीक्षण किया।मिसाइल लॉन्च करने से पहले बालासोर जिले के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) के पास करीब ढाई किलोमीटर का इलाका खाली करवाकर चार गांवों के लगभग 8,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और डीआरडीओ के चेयरमैन जी. सतीश रेड्डी ने डीआरडीओ और भारतीय नौसेना को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हवाई खतरों के खिलाफ नौसेना के जहाजों की रक्षा क्षमता को और बढ़ाएगी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार दोपहर ओडिशा के चांदीपुर के तट पर भारतीय नौसेना के जहाज से स्वदेशी वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) के लॉन्च पैड नंबर 3 से किया गया। नौसेना वर्जन की इस मिसाइल प्रणाली को युद्धपोत से हवा में रक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। वीएल-एसआरएसएएम जहाज से चलने वाली हथियार प्रणाली है, जो समुद्री-स्किमिंग लक्ष्यों सहित निकट सीमा पर विभिन्न हवाई खतरों को बेअसर करने के लिए है। आज का प्रक्षेपण उच्च गति वाले हवाई लक्ष्य की नकल करने वाले विमान के लिए किया गया, जिसने सफलतापूर्वक लक्ष्य को मार गिराया। डीआरडीओ के अनुसार परीक्षण के दौरान उड़ान मार्ग और वाहन के प्रदर्शन मापदंडों की निगरानी उड़ान डेटा का उपयोग किया गया। परीक्षण के लिए विभिन्न रेंज उपकरणों रडार, ईओटीएस और टेलीमेट्री सिस्टम को आईटीआर, चांदीपुर ने तैनात किया गया था। डीआरडीओ और भारतीय नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रक्षेपण की निगरानी की। आज किए गए शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल के परीक्षण ने अपनी उपयोगिता साबित की है। भारतीय नौसेना के जहाजों पर तैनाती से पहले कुछ और परीक्षण किए जाएंगे। एक बार तैनात होने के बाद यह प्रणाली भारतीय नौसेना के लिए बहु उपयोगी साबित होगी। इससे पहले डीआरडीओ पिछले साल 22 फरवरी को ओडिशा तट पर वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल के दो सफल परीक्षण कर चुका है। पहले प्रक्षेपण ने ऊर्ध्वाधर प्रक्षेपण प्रणाली, मिसाइल की अधिकतम और न्यूनतम सीमा की प्रभावशीलता का परीक्षण किया। दोनों मिसाइलों ने अपने लक्ष्य को पिन पॉइंट सटीकता के साथ सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट किया था। एस्ट्रा मिसाइल एमके-1 पर आधारित इसकी रेंज फिलहाल 40 किलोमीटर है लेकिन भविष्य में एस्ट्रा एमके-2 की तरह इसकी मारक क्षमता 80 किलोमीटर तक बढ़ाई जाएगी। नौसेना के वेरिएंट को युद्धपोत पर रडार सिस्टम के साथ एकीकृत किया जाएगा ताकि दुश्मन का पता लगाया जा सके। इसे फ्रंटलाइन युद्धपोतों पर इजरायल की बराक-1 प्वाइंट डिफेंस इंटरसेप्टर मिसाइलों की जगह बदला जाना है।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)

• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)

• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम

•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)

• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)

• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)

•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)

•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)

• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)

• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)

• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)

▪ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400

Customer Care No.

83750 00628

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-

Visiting Card Size Advertisements:

Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-

Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 25 june 2022:Layout 1 6/24/2022 7:40 PM Page 8

'दृश्यम 2' के टाइटल पोस्टर के साथ अनाउंस की रिलीज डेट

-फिल्म 18 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी

मुंबई (ईएमएस)। दृश्यम 2 की शूटिंग कंप्लीट होने के बाद मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को अनाउंस कर दिया है। फिल्म 18 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बालीवुड के एक्शन हीरो अजय देवगन, श्रिया सरन, तब्बू और इशिता दत्ता दृश्यम 2 में एक बार फिर से जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पूरी हो चुकी है। फिल्म में अजय ने विजय सलगांवकर का किरदार निभाया था। इस फिल्म को खूब पसंद किया गया था। दृश्यम 2 रोमांच, ड्रामा और एक्साइमेंट से पहले पार्ट से ज्यादा होने वाला है। विजय और उसके परिवार की कहानी लोगों की इमेजिनेशन से भी परे है। फिल्म को अभिषेक पाठक ने डायरेक्टर किया है। इसमें अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरण और इशिता दत्ता के अलावा रजत कपूर और अक्षय खन्ना भी हैं। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में पूरी कर ली गई है। बता दें कि अक्षय खन्ना को छोड़कर सभी एक्टर्स दृश्यम में भी थे। मेकर्स ने नए किरदार के लिए अक्षय को फिल्म में कास्ट किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में अक्षय खन्ना कथित तौर पर एक पुलिस वाले की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे जो तब्बू का करीबी सहयोगी है और जांच में उसकी मदद करता है। फिल्म में अक्षय का किरदार एक सख्त, स्मार्ट, समझदार, तेज पुलिस वाला होगा, जो अजय के किरदार से पूछताछ और जांच करेगा। दृश्यम 2 को वायकॉम 18, गुलशन कुमार, टी-सीरीज और पनोरमा स्टूडियोज ने प्रेजेंट किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक, कृष्ण कुमार ने किया है। संजीव जोशी, आदित्य चौकसी और शिव चनाना ने इसके को-प्रोड्यूसर हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अक्षय खन्ना फिल्म में सपोर्टिंग रोल में नहीं हैं, बल्कि एक उचित भूमिका में है जिसे सिर्फ उनके लिए लिखा गया है और जो शायद उनके प्रभाव और प्रदर्शन के मामले में सबसे अलग होगी। यह अजय और अक्षय की एक साथ चौथी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों साथ में आक्रोश में काम किया था। वे 12 साल के लंबे समय के बाद फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। दोनों ने दीवानगी और एलओसी में भी साथ काम किया था।

शूटिंग पूरी कर लंदन पहुंची करीना, पसंदीदा कॉफी का लिया आनंद

-इंस्टाग्राम पर लंदन से पोस्ट की एक तस्वीर

मुंबई (ईएमएस)। डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स फिल्म की शूटिंग पूरी करने बाद करीना कपूर अब एक अच्छे ब्रेक के लिए लंदन चली गई हैं और लगभग 2 साल बाद अपनी पसंदीदा कॉफी का एन्जॉय कर रही हैं। करीना ने अपने इंस्टाग्राम पर लंदन से अपनी पसंदीदा कॉफी का आनंद लेते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। करीना कपूर खान को इस तस्वीर में स्लीवलेस जैकेट के साथ व्हाइट टी और डेनिम में देखा जा सकता है। वह कॉफी के स्वाद में खोई हुई नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है, आपके लिए दो साल तक इंतजार किया बेबी प्रीट हैशटैग सिपिंग कॉपी, कॉफी लवर। करीना ने अपने इस कैप्शन में कई दिल वाले इमोजी शामिल किए।

करीना कपूर की इस पोस्ट पर इंडस्ट्री से जुड़े दोस्त और सहकर्मी और साथ ही उनके फैंस भी कमेंट कर रहे हैं। डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स के उनके सह-कलाकार, जयदीप अहलावत ने कमेंट में लिखा, ये ये छुट्टी का समय इतनी मेहनत के बाद। एन्जॉय करना। रिया कपूर ने लिखा, वह आ गई है। तान्या घावरी ने दिल के इमोजी कमेंट किए। करीना के फैंस भी दिल वाले इमोजी कमेंट कर रहे हैं। करीना कपूर खान ने हाल में डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स के सेट से कई तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने कुछ बीटीएस तस्वीरें भी पोस्ट की थीं जिनमें सैफ अली खान और तैमूर भी दिखाई दिए थे। एक तस्वीर में तैमूर सुजॉय के साथ और ब्रूस ली की द गेम ऑफ डेथ के पोस्टर के साथ पोज देते नजर आए। दूसरी तस्वीर में, सैफ अली खान और तैमूर करीना के साथ दिखाई दिए। इसमें तीनों एक सीन सेटअप पर बात करते हुए दिखाई दिए। अन्य तस्वीरों में करीना, जयदीप और विजय फिल्म की कास्ट और क्रू के साथ पोज देते नजर आए। बता दें कि करीना कपूर खान ने हाल में सुजॉय घोष की डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स की शूटिंग शुरू की थीं। इस फिल्म में करीना जयदीप अहलावत और विजय वर्मा के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर रही हैं और कुछ दिन पहले ही उन्होंने शूटिंग पूरी की।

रीमा लागू को फिल्मों में जाना जाता है मां के किरदार के लिए

- एक्ट्रेस ने असल जिंदगी में अच्छी तरह निभाई मां की भूमिका

मुंबई (ईएमएस)। थियेटर से अपना करियर रीमा लागू मशुरू करने वाली मराठी और हिंदी फिल्मों में काम किया था। टीवी पर भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करवा चुकी हैं। 21 जून 1958 में पैदा हुईं रीमा को फिल्मों में मां के किरदार के लिए जाना जाता हैं। आज रीमा की जयंती पर बताते हैं उस फोटोग्राफर के बारे में जिसके लिए बन गई फरिश्ता। रीमा लागू ने सिर्फ पर्दे पर ही नहीं बल्कि असल जिंदगी में अपने दमखम पर अपनी बच्ची को पाला और समाज में सिर ऊंचा कर अपनी एक अलग पहचान बना पाने में कामयाब रहीं। रीमा की मां भी मराठी एक्ट्रेस थीं तो पढ़ाई के समय से रीमा का रुझान भी एक्टिंग की तरफ हो गया था। 10वीं पास करते ही एक्टिंग करने लगी। मराठी थियेटर और मराठी सिनेमा की दमदार एक्ट्रेस रहीं रीमा ने 1980 में फिल्म कलयुग से हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। अभिनय के दौरान ही रीमा लागू की दोस्ती मराठी एक्टर विवेक लागू से हुई। दोस्ती, प्यार और फाइनली शादी में बदल गई। इनकी एक बेटी मृणमयी लागू हैं। कुछ दिनों तक रीमा-विवेक की शादीशुदा जिंदगी खुशनुमा रही लेकिन बाद में ऐसा मनमुटाव हुआ कि दोनों अलग हो गए। रीमा ने अपनी बाकी की जिंदगी बेटी की परवरिश में बिता दी। जाने माने फोटोग्राफर आशीष सोमपुरा ने इंटरव्यू में बताया था कि रीमा दीदी के पोर्टफोलियो की शूटिंग 1985 में हुई थी। तब मैं नया-नया था और वह जानी मानी अभिनेत्री थीं, फिर भी अपने पोट्रेट के लिए मुझ जैसे नए फोटोग्राफर पर भरोसा किया। मेरे छोटे से स्टूडियो में कुछ तस्वीरें क्लिक करने के बाद मैंने उन्हें आउटडोर शूट के लिए कहा और उस शूट ने मेरी किस्मत दी। इसके बाद तो एक्टिंग और मॉडलिंग से जुड़े कई एक्टर्स मेरे स्टूडियो आने लगे। आशीष सोमपुरा ने बताया था बरसों बाद अपनी बेटी का पोर्टफोलियो क्लिक करवाने आई तो मुझे याद दिलाया कि उस समय आपने सिर्फ 600 रुपए फीस लिया था। मैंने कहा मुझे आपसे एक रुपया भी नहीं चाहिए क्योंकि आप मेरे लिए फरिश्ता बन कर आई थीं, आपकी तस्वीरों ने मेरी किस्मत बदल दी और फोटोग्राफर के रुप में मेरी पहचान बनी। बता दें कि रीमा लागू का नाम आते ही ममता से भरी एक ऐसी एक्ट्रेस का चेहरा सामने आ जाता है, जिनकी मोहक मुस्कान और बोलती आंखे उनकी अभिनय क्षमता का परिचय खुद-बखुद दे देती हैं।

'शमशेरा' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

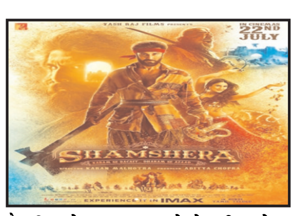

रणबीर कपूर, संजय दत्त और वाणी कपूर की फिल्म शमशेरा का धमाकेदार ट्रेलर शुक्रवार को मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। यश राज फिल्म्स ने फिल्म के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर साझा किया है। फिल्म का ट्रेलर काफी धमाकेदार है और इसकी शुरूआत होती है 1871 के एक सीन से जिसमें लोहे की जंजीरों से बंधे हुए कई बंदी नजर आते हैं। वहीं बैकग्राउंड में एक डायलॉग सुनाई देता है, जिसमें कहा जाता है -'ये कहानी हैं उसकी जो कहता था गुलामी किसी की अच्छी नहीं होती न गैरों की ना अपनों की!' ट्रेलर में शमशेरा के किरदार में रणबीर कपूर अमीरों को लूटते नजर आते हैं। अमीरों के बीच शमशेरा के नाम की दहशत फैल जाती है। जिसके बाद धन्नासेठों की अंग्रेज अफसर के सामने विनती करते हैं कि वे शमशेरा से उन्हें बचा लें। जगह-जगह उसके पोस्टर लगने शुरू होते हैं तो लोग पूछते हैं कि ये कौन सा नया शमशेरा है। इसके बाद एंट्री होती है क्रूर दरोगा शुद्ध सिंह यानी संजय दत्त की, जो शमशेरा की नकेल कसने का बीड़ा उठाता है। ट्रेलर में संजय दत्त का क्रूर अवतार और रणबीर का डकैत का अवतार दर्शकों को भा रहा है। लेकिन ट्रेलर का हाईलाइट प्वाइंट इसके आखिर में आता है। जब इस बात से पर्दा उठता है कि फिल्म में रणबीर कपूर डबल रोल में है। यानी फिल्म में रणबीर पिता -बेटे के रोल में हैं और दोनों किरदार वहीं निभा रहे हैं। वहीं ट्रेलर में वाणी कपूर को शमशेरा की महबूबा के किरदार में दिखाया गया है। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हो गए हैं और फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। 'शमशेरा' हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। यशराज फिल्म्स के प्रोडेक्शन तले बनी इस फिल्म का डायरेक्शन करण मल्होत्रा ने किया है। यह फिल्म इसी साल 22 जुलाई को रिलीज होगी ।

संजय दत्त को हिंदू विलेन दिखाकर ट्रोल हुए मेकर्स

रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा में संजय दत्त को बेहद भयानक और खूंखार विलेन का रोल मिला है। टीजर वीडियो में उनका लुक भी रिवील कर दिया गया है और उनका नाम भी। फिल्म में संजय दत्त अंग्रेजों की नौकरी करने वाले शुद्ध सिंह का रोल प्ले करते नजर आएंगे। संजय दत्त का लुक काफी इंप्रेसिव है लेकिन बावजूद इसके मेकर्स इस लुक की वजह से ट्रोल होने लगे हैं। संजय दत्त को फिल्म में अंग्रेजों की नौकरी करने वाले एक हिंदू अधिकारी के तौर पर दिखाया गया है जो बेहद निर्मम और क्रूर है। संजय दत्त का लुक बिलकुल किसी ब्राह्मण का जैसा रखा गया है। उनकी एक लंबी चोटी है और माथे पर तिलक-चंदन लगाए वो काफी पावरफुल अंदाज में सामने आते हैं। ट्विटर पर इसी वजह से फिल्म मेकर्स को ट्रोल किया जा रहा है।

सर्वगुण संपन्न' में मिया खलीफा जैसा होगा वाणी कपूर का लुक

रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा का टीजर वीडियो रिलीज कर दिया गया है लेकिन इसमें वाणी कपूर का लुक नहीं दिखाया गया। वाणी के करियर का ग्राफ काफी तेजी से ऊपर जा रहा है और अभी तक वह 'वॉर', 'बेफिक्रे' और 'चंडीगढ़ करे आशिकी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अब वह शमशेरा में बहुत खास किरदार निभाती नजर आएंगी। हालांकि इसी बीच एक ताजा रिपोर्ट ये भी बता रही है कि वाणी कपूर को उनकी एक अपकमिंग फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' में एक मशहूर पोर्न स्टार जैसा लुक दिया जाएगा। दिनेश विजान की इस फिल्म में वाणी कपूर पहली बार सोलो लीड रोल करेंगी। साल 2013 में डेब्यू के बाद से उनकी ये पहली फिल्म होगी जो पूरी तरह से उनके ही कंधों पर रहेगी। फिल्म की कहानी और इसमें वाणी कपूर का किरदार क्या होगा ये तो अभी तक ज्यादा रिवील नहीं किया गया है लेकिन बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में वाणी कपूर का लुक एक मशूहर पोर्न स्टार से काफी हद तक मौच करेगा। सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे कयासों की मानें तो वाणी कपूर मिया खलीफा जैसा लुक ले सकती हैं।

रक्षाबंधन का होगा आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' से क्लैश

बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। हालांकि फिल्मों को जल्द रिलीज करने की होड़ में कई फिल्में आपस में टकरा रही हैं और इस वजह से कुछ फिल्में फ्लॉप भी हो रही हैं, क्योंकि इनकी ऑडियंस बंट जाती हैं। पिछले कई महीनों से इसका नतीजा भी देखने को मिल रहा है। हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म 'रक्षाबंधन' की डेट सामने आई, जो बॉक्स ऑफिस पर आमिर खान स्टारर फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' से क्लैश होगी। फिल्म 11 अगस्त यानी रक्षा बंधन के ही दिन रिलीज होगी। इसी दिन आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा भी रिलीज हो रही है। इससे यह माना जा रहा है कि इस साल का यह सबसे बड़ा बॉलीवुड क्लैश है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय ने मीडिया से बात इस क्लैश के बारे में बात की। उन्होंने कहा यह क्लैश नहीं है, बड़ा दिन है।

बायोपिक में एक पत्रकार के किरदार में नजर आएंगे शाहरुख

- 'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' के लिए नहीं ली कोई फीस

मुंबई (ईएमएस)। आईएसआरओ के पूर्व रॉकेट साइंटिस्ट नांबी नारायणन के बायोपिक में शाहरुख एक पत्रकार के किरदार में नजर आएंगे। अब आर माधवन ने फिल्म में शाहरुख खान के कैमियो करने के वजह को बताया है। किंग खान ने अपने इस खास रोल में के लिए मेकर्स से कोई फीस भी नहीं ली है। शाहरुख खान जल्द ही आर माधवन की मोस्ट अवेडेट फिल्म रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट कैमियो करते हुए देखे जाएंगे। रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट को लेकर फैंस के बीच लंबे समय से बज बना हुआ है। आने वाली इस बायोपिक ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। यह फिल्म 1 जुलाई 2022 को सिनेमाघरों में देखी जाएगी। लेकिन अपने रिलीज से पहले ही ये फिल्म सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी अपना जादू बिखेर रही है। हाल ही संपन्न हुए 75वें कान फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का प्रीमियर किया गया था, जिसे लोगों ने खूब सराहा था। हालांकि रिलीज से पहले आर माधवन फिल्म का जबरदस्त प्रमोशन कर रहे हैं। इसी बीच आर माधवन ने फिल्म को लेकर काफी कुछ बातें की। इस दौरान उन्होंने फिल्म में शाहरुख खान के कैमियो को लेकर एक मजेदार खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे शाहरुख खान ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की इच्छा जताई थी। वाकया उस वक्त का है जब वह फिल्म जीरो की शूटिंग कर रहे थे। माधवन के अनुसार, एक बर्थडे पार्टीज के दौरान शाहरुख खान ने रॉकेट्री फिल्म का हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर की थी। आर माधवन ने आगे कहा, जब मैं जीरो में शाहरुख के साथ काम कर था तो मैंने उन्हें रॉकेट्री के बारे में बताया था। जहां तक मुझे थोड़ा-थोड़ा याद है कि उन्होंने कहा था कि वह इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्हें बैकग्राउंड में कोई भी रोल चलेगा। माधवन ने आगे बताया कि उस वक्त उन्होंने शाहरुख की बात को मजाक समझा था लेकिन दो दिन बाद जब उनकी वाइफ सरिता ने उन्हें शाहरुख खान के उन दयालु शब्दों के लिए धन्यवाद देने के लिए कहा। तब उन्होंने सरिता की बात मानते हुए शाहरुख के मैनेजर को उन्होंने थैंक्यू बोलने के लिए एक मेसेज किया। जिसका उन्हें तुरंत जवाब मिला। उनके मैनेजर के मैसेज में लिखा था, खान साहब डेट्स पूछ रहे हैं शूट की और इस तरह वह हमारी फिल्म का हिस्सा बने। आर माधवन ने आगे बताया, इस फिल्म में शाहरुख खान ने कैमियो किया है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली है। उन्होंने फ्री में इस फिल्म में काम किया है।

पंकज त्रिपाठी की पत्नी मृदुला कर रही है 'शेरदिल' से डेब्यू

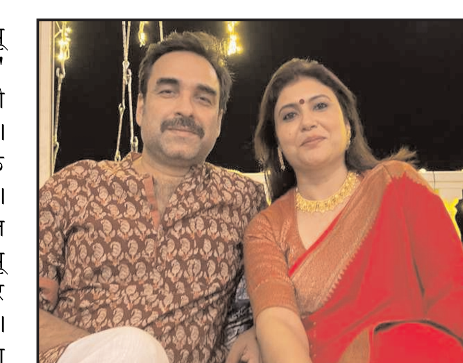

बॉलीवुड एक्टर पंकज त्रिपाठी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनकी अपकमिंग फिल्म 'शेरदिल' के जरिए उनकी पत्नी मृदुला बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। पंकज ने बताया कि फिल्म में मृदुला का कैमियो है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इसमें काम करने के लिए उन्होंने किसी भी तरीके की फीस भी नहीं मांगी हैं। फिल्म में मृदुला एक बंगाली रोल में नजर आएंगी। पंकज ने बताया, "मेरी वाइफ मृदुला फिल्म 'शेरदिल' से डेब्यू करेंगी। उन्होंने फिल्म में एक सीन किया है। डायरेक्टर श्रीजीत मुखर्जी ने उनसे यह रोल करने के लिए कहा था। फिल्म में काम करने के लिए मृदुला ने तुरंत हां कह दिया क्योंकि उन्हें फिल्म में एक सुंदर बंगाली साड़ी पहनने को मिल रही थी। यह एक आसान रिश्वत थी। हालांकि इसके लिए उन्हें कोई पेमेंट नहीं मिली।"

सूडोकु नवताल- 6112

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6111 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 6859

श	रा	ना	जी	वा	द	ह	ट	झ	क	चि
आ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	आ	स्वा	द
तं	र	ह	अ	भि	वा	द	म	ला	ल	ना
क	म	दा	नु	ल	क	ड़	वा	दा	र	नि
वा	रा	र	वा	हा	मि	री	द	स	र	र्वि
द	ह	प	द	दा	ह	ला	ती	ड़	न	वा
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	द
प	जी	वा	मा	क	मा	सौ	न	ट	जू	ट
रि	थो	तें	व	या	र्क्स	दा	ने	दा	र	द
वा	ल	प	ति	रं	वा	ऐ	बें	न	रु	थो
द	ड़	पा	ह	ट	द	द	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'वाद' शब्द लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

नाजीवाद, परिवाद, अनुवाद, निर्विवाद, मायावाद, अभिवाद, आतंकवाद, मार्क्सवाद, मवाद, आस्वाद

शब्दजाल - 6858 का हल

प्र	अ	मे	क	ना	ग	री	क	र	ण	गो
न	का	क	अ	इं	डो	ने	ग	श	मा	ला
अ	दा	र	भि	मा	ग	अ	द	ह	प	का
श्रे	ग	प्र	क	र	ण	नु	धि	री	लि	र
णी	अ	अ	र	न	न	क	ह	क	न	दे
क	ना	का	ण	व	प	र	त	र	र	बां
र	मा	ल	म	श	अ	ण	वा	ण	न	ण
ण	न	भा	र	न	मी	स	ष्पी	ल	वि	ला
क	न	बा	अ	लं	का	क	क	न	जू	दे
र	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श
वि	द्यु	ती	क	र	ण	स	ण	ण	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5812

		7	1			4
2	39		29	6	26	
	6	5		3	2	
4	30		27	1	31	6
	2		4			7
6	30		39	4	35	3
	5	4			1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5811 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	39	1	29	6	26	5
5	6	7	1	2	3	4
4	30	2	25	1	34	6
1	2	3	4	5	6	7
6	30	6	39	4	35	3
3	5	4	6	7	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000628, For News & Advertisement- 8588881461, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in